CMYK CMYK

सीएम योगी ने किया प्रधानमंत्री के वाराणसी आगमन पर स्वागत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक शक्ति

फेमस एक्टर, सिंगर सुलक्षणा पंडित का निधन, 71 वर्ष की उम्र में दुनिया से ली अंतिम विदाई

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 308 रायपुर शनिवार 08 नवंबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

पीएम मोदी का भव्य स्वागत, हाथ हिलाकर काशीवासियों का किया अभिवादन

मोदी 4 नई वंदे भारत को दिखाएंगे हरी झंडी

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में जनसभा को संबोधित कर दो दिवसीय यात्रा पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंच गए हैं। पीएम मोदी के काशी आगमन पर कार्यकर्ता जगह-जगह स्वागत किया। वाराणसी आए पीएम मोदी कल यानी शनिवार 08 नवंबर को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

पीएम के आगमन पर बाबतपुर के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य और जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी राम, कमिश्नर एस. राजलिंगम, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया।

बता दें कि पीएम मोदी बरेका गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन सुबह लगभग आठ बजे सड़क मार्ग से बनारस रेलवे स्टेशन, मंडुआडीह पहुंचेंगे। वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस अवसर पर वह कुछ स्कूली बच्चों से संवाद भी करेंगे और लगभग तीन हजार लोगों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह साढ़े नौ बजे बिहार के दरभंगा के लिए रवाना हो जाएंगे।

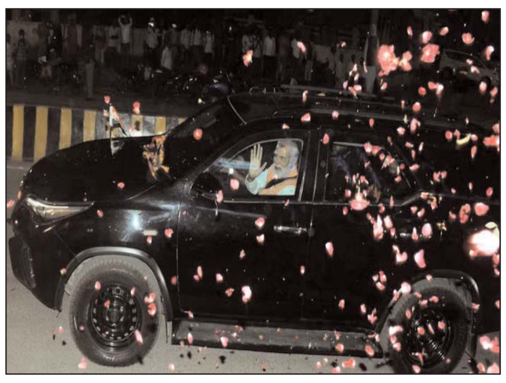

पीएम मोदी देश को देंगे वंदे भारत की सौगात - पीएम मोदी 8 नवंबर को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। इनमें सबसे प्रमुख ट्रेन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीवासियों और पूर्वांचल के लिए एक बड़ा उपहार मानी जा रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से अन्य तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें लखनऊ से सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, फिरोजपुर से दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, एर्नाकुलम से बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, प्रधानमंत्री इस अवसर पर बनारस स्टेशन पर मौजूद गणमान्य लोगों से चर्चा भी करेंगे। लखनऊ-जंक्शन से सहारनपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ शनिवार, 8 नवंबर से होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वाराणसी से वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन रन एक्सप्रेस लखनऊ से सुबह 8:05 बजे रवाना होकर सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली होते हुए मुरादाबाद पहुंचेगी। मुरादाबाद जंक्शन पर उद्घाटन रन वंदे भारत का आगमन 12:32 बजे होगा। जबकि नियमित रूप से मुरादाबाद सुबह 9:27 बजे आया करेगी। शनिवार को उद्घाटन के मौके पर जनप्रतिनिधियों समेत अन्य अतिथियों को ट्रेन आगमन से करीब 40 मिनट पहले ही बुलाया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम 11:30 बजे से शुरू हो जाएंगे और वंदेभारत एक्सप्रेस के प्लेटफार्म एक पर पहुंचने पर फूल वर्षाकर, तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। इस दौरान वंदे भारत के स्वागत में स्टेशन पर देश प्रेम के तराने गूंजेंगे। सांसद रुचि वीरा, जिले के सभी एमएलसी, विधायकों समेत अन्य जनप्रतिनिधियों को भी बुलाया गया है। यानी लखनऊ से मुरादाबाद पहुंचने में ट्रेन को महज चार घंटे 27 मिनट में पहुंच जाएगी। सामान्य एक्सप्रेस ट्रेनों को यही दूरी तय करने में करीब 5 घंटे 30 मिनट का समय लगता है। इस प्रकार यात्रियों को लगभग दो घंटे से अधिक की समय बचत मिलेगी। शुक्रवार को डीआरएम कार्यालय से लेकर रेलवे स्टेशन तक तैयारियां चलती रहीं। ट्रेन के प्रथम आगमन पर स्वागत में स्टेशन परिसर राष्ट्रीय ध्वजों, गुब्बारों और बैनरों से सजाया जाएगा। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

आजादी के नायकों के महान भारत का स्वप्न मोदी सरकार साकार कर रही है

'वंदे मातरम' से प्रेरणा लेकर 2047 तक महान भारत की रचना का समय है : शाह

लोकशक्ति।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज बिहार की राजधानी पटना में आयोजित उत्सव को संबोधित किया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने स्वदेशी संकल्प पत्र का सामूहिक पाठ भी किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज का दिन भारतीय चेतना की जागृति का दिन है क्योंकि 150 वर्ष पहले आज ही के दिन महान स्वतंत्रता सेनानी बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी ने वंदे मातरम गीत लिखा था। उन्होंने कहा कि बंकिमचंद्र जी ने इस गीत की रचना कर राष्ट्रीय चेतना का एक महामंत्र देश को देने का काम किया जो आगे चलकर भारत की आज़ादी का उद्घोष और सूत्र बना। आज़ादी के बाद यह गीत देश को जोड़ने का कारण भी बना। श्री शाह ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने महान भारत के लिए जो स्वप्न देखे थे, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 11 साल में उन स्वप्नों को पूरा करने के लिए देश के सामूहिक प्रयास से कई काम हुए हैं। श्री अमित शाह ने कहा कि आज वंदे मातरम के सामूहिक गान के साथ ही एक साल तक भारत की चेतना की पुनर्जागृति का चरणबद्ध प्रयास शुरु हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन वंदे मातरम के मंत्र और उसमें निहित भाव के अनुरूप हो इसके लिए पूरे राष्ट्र में एक साथ अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान फि जिकल के साथ-साथ डिजिटल स्वरूप में भी चलाया जाएगा। श्री शाह ने कहा कि VandeMataram150' नाम से सोशल मीडिया पर हर भाषा में एक अभियान चलाया जाएगा जिसमें सभी क्षेत्रीय भाषाओं में वंदे मातरम लिखकर राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाएगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सरकार ने कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

अजित पवार के बेटे पार्थ मुश्किल में फंसे, 300 करोड़ की लैंड डील केस में एफआईआर

एजेंसी

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर उबाल आया है. प्रदेश के डिप्टी सीएम अजित पवार नई मुसीबत में फंसे हुए नजर आ रहे हैं. जमीन घोटाले को लेकर बेटे पार्थ पवार पर एफआईआर को दर्ज किया गया है. इस मामले में सरकारी जमीन को कौड़ियों के भाव में बेचने की बात सामने आई है. विपक्षी पार्टियां पहने से इसे लेकर प्रदेश सरकार पर हमलावर हैं. यह मामला काफी हाई प्रोफाइल बताया जा रहा है. डिप्टी सीएम अजित पवार के पुत्र से जुड़ा होने के कारण इस मामले को लेकर विपक्ष बिफर गया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र के

डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे पार्थ पवार से जुड़े जमीन घोटाले केस में पुणे पुलिस ने एफआईआर दर्ज की. पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफमामला दर्ज किया है. पार्थ पवार पर आरोप है कि उनकी कंपनी Amadea Enterprises ने पुणे के मंडावा क्षेत्र में 1800 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन को सिर्फ 300 करोड़ में खरीद सामने आई है. Amadea Enterprises में दो पार्टनर की बात सामने आई है।

'वंदे मातरम के टुकड़े कर बोए गए देश विभाजन के बीज' : मोदी

एजेंसी। राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी। वंदे मातरम को भारत की शाश्वत संकल्पना बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव का शुभारंभ विशेष डाक टिकट और सिक्के के विमोचन के साथ किया। वंदे मातरम की गौरव गाथा को विभिन्न उपमाओं-अलंकरणों से स्पंदन देते हुए पीएम मोदी ने इससे जुड़े इतिहास के एक काले पन्ने को पलटने के साथ ही बिना किसी का नाम लिए वर्तमान चुनौतियों की ओर भी इशारा किया।

उन्होंने कहा- 'आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम की भावना ने पूरे राष्ट्र को प्रकाशित किया था, लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण पदों को, उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। वंदे मातरम के टुकड़े किए गए थे। इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज भी बो दिए थे।'

'विभाजनकारी सोच देश के लिए आज भी चुनौती' - पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र निर्माण का इस महामंत्र के साथ ये अन्याय क्यों हुआ? ये आज की पीढ़ी को भी जानना जरूरी है, क्योंकि वही विभाजनकारी सोच देश के लिए आज भी चुनौती बनी हुई है। नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित वंदे मातरम स्मरणोत्सव के शुभारंभ समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें इस सदी को भारत की सदी बनाना है। ये साम?र्थ्य भारत के 140 करोड़ लोगों में है। हमें इसके लिए खुद पर विश्वास करना होगा। उन्होंने चेताया कि इस संकल्प यात्रा में हमें पथभ्रमित करने वाले भी मिलेंगे। नकारात्मक सोच वाले लोग हमारे मन में शंका-संदेह पैदा करने का प्रयास भी करेंगे। तब हमें आनंद मठ का वो प्रसंग याद करना है, जिसमें जब संतान भवानंद वंदे मातरम गाता है तो एक दूसरा पात्र तर्क-वितर्क करता है। वह पूछता है कि तुम अकेले क्या कर पाओगे? तब वंदे मातरम से प्रेरणा मिलती है, जिस माता के इतने करोड़ पुत्र-पुत्री हों, उसके करोड़ों हाथ हों, वो माता अबला कैसे हो सकती है?

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस, ईडी की चार्जशीट पर फैसला सुरक्षित, 29 नवंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली ,नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में कोर्ट 29 नवंबर को अपना फैसला सुनाएगी। इससे पहले, 30 अक्टूबर को अदालत ने ईडी की चार्जशीट के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा था। इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत अन्य को आरोपी बनाया गया है। यह मामला 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत से शुरू हुआ था, जिसमें आरोप लगाया गया कि कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड अखबार की मूल प्रकाशक कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियों को अनुचित तरीके से हथियाने की साजिश रची।

पीएम श्री मोदी के नेतृत्व में किसानों को बीमा राशि की पाई-पाई का भुगतान होगा : चौहान

महाराष्ट्र के किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की भी जरुरत हुई, तो पूर्ति की जाएगी- श्री शिवराज

पीआईबी

केंद्रीय मंत्री ने विस्तारपूर्वक चर्चा के बाद किसानों की उन्नति के लिए जीवीटी के काम की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीवीटी ने जो नए प्रयोग करके किसानों के जीवन और उनकी आय में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है उसके बारे में जानकारी अन्य गांवों और लोगों तक भी पहुंचाई जानी चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना ही असली लक्ष्य है। उनका संकल्प है कि कोई भी किसान भाई-बहन मजबूरी में आत्महत्या का मार्ग ना चुने। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने 20 हजार किसानों के सम्मेलन को संबोधित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसान सिर्फ किसान नहीं बल्कि अन्नदाता है जीवनदाता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में पहली बार 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के माध्यम से देशभर के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं की जगह व्यावहारिक रूप से खेतों में जाकर किसानों से सीधे संवाद करते हुए शोध और आवश्यक जानकारी का लाभ किसानों तक पहुंचाया।

देश | पशुओं का चारा खाने वाले आपका राशन भी नहीं छोड़ेंगे

नौकरी के बहाने नौजवानों की जमीन हड़प लेते थे राजद-कांग्रेस : योगी

पश्चिमी चंपारण

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार चुनाव प्रचार में शुक्रवार को भी कांग्रेस और राजद को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राजद के लोग लालटेन लेकर आते थे, केरोसिन बेच देते थे। फिर अंधेरे में डकैती डालते थे। अराजकता पैदा करना इनका जन्मसिद्ध अधिकार है। पशुओं का चारा खाने वाले आपका राशन भी नहीं छोड़ेंगे। यह लोग विकास, गरीब कल्याण की योजनाएं रोक देंगे और फिर से जंगलराज पैदा करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद के समय में बिहार में 60 से अधिक जातीय नरसंहार हुए थे। अपहरण की 30 हजार से अधिक घटनाएं हुईं। व्यापारी, इंजीनियर, चिकित्सक, बेटियों का लगातार अपहरण होता था। सरकार कार्रवाई की बजाय अपहरणकर्ताओं के सामने नतमस्तक होकर मध्यस्थता की बात करती थी। महागठबंधन में हिम्मत नहीं है कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य कर सके। यूपी को देखें, जब वहां माफिया की छाती पर बुलडोजर गड़गड़ाकर चलता है तो उनके आका भी थर-थर कांपते हैं। कांग्रेस, राजद व इनके पार्टनर आमजन की आस्था का अपमान करते हैं, दंगाइयों को प्रश्रय देते हैं, व्यापारियों का सरेआम अपहरण करने वालों और खानदानी माफिया को गले से लगाते हैं। इनकी संवेदना गरीबों के प्रति नहीं, बल्कि माफिया-गुंडों के प्रति है। सीएम योगी ने लौरिया के विधायक, भाजपा प्रत्याशी व भोजपुरी कलाकार विनय बिहारी के पक्ष में शुक्रवार को जनसभा की और उन्हें फिर से विधानसभा में भेजने की अपील की।

सीएम योगी ने मतदाताओं को चेताया कि राजद और कांग्रेस वाले बहकाने आएंगे। जब यह 15 वर्ष सत्ता में थे तो नौजवानों को ठगते थे। नौकरी के बहाने उनकी जमीन हड़प डाली थी।

अवैध परमाणु गतिविधियां पुरानी आदत, पाकिस्तान पर भारत का तीखा प्रहार

एजेंसी

ट्रम्प ने 2 नवम्बर को सीबीएस के 60 मिनट्स कार्यक्रम के साथ एक साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि रूस, चीन और पाकिस्तान परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं, इस दावे से ऑनलाइन व्यापक अटकलें लगाई जाने लगीं।

सरकार ने कहा कि गुप्त और अवैध परमाणु गतिविधियाँ पाकिस्तान के इतिहास के अनुरूप हैं। यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए दी गई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस्लामाबाद गुप्त रूप से परमाणु हथियारों का परीक्षण करने वाले देशों में शामिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गुप्त और अवैध परमाणु गतिविधियाँ पाकिस्तान के इतिहास के अनुरूप हैं, जो दशकों से तस्करी, निर्यात नियंत्रण उल्लंघन, गुप्त साझेदारियों, अल-क़ायदा ख़ान नेटवर्क और परमाणु प्रसार पर केंद्रित है। भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान के इतिहास के इन पहलुओं की ओर आकर्षित किया है। इस पृष्ठभूमि में हमने राष्ट्रपति ट्रंप की पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण संबंधी टिप्पणी पर ध्यान दिया है।

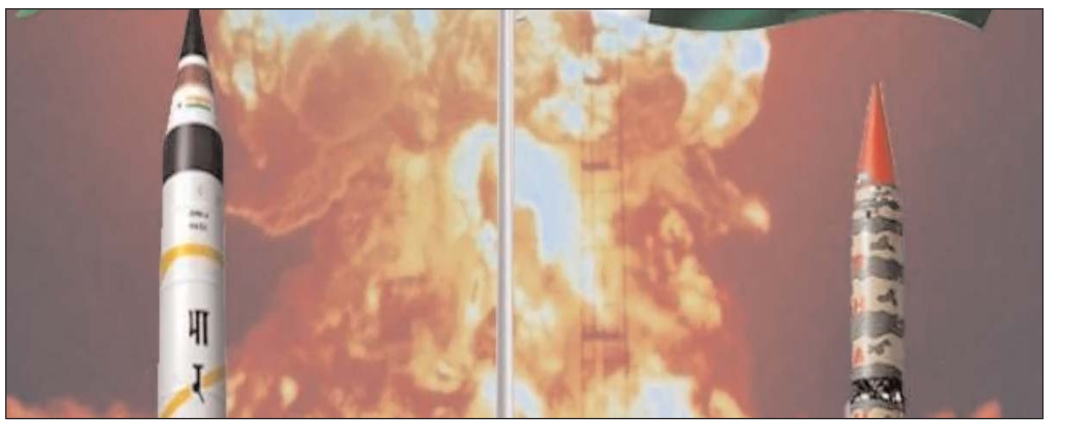

ट्रम्प ने 2 नवम्बर को सीबीएस के 60 मिनट्स कार्यक्रम के साथ एक साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि रूस, चीन और पाकिस्तान परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं, इस दावे से ऑनलाइन व्यापक अटकलें लगाई जाने लगीं। रूस परीक्षण कर रहा है, और चीन परीक्षण कर रहा है, लेकिन वे इसके बारे में बात नहीं करते। ट्रंप ने बिना कोई ब्यौरा दिए कहा था हम परीक्षण करेंगे, क्योंकि वे परीक्षण करते हैं और दूसरे भी परीक्षण करते हैं। और निश्चित रूप से उत्तर कोरिया परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान भी परीक्षण कर रहा है। उनकी टिप्पणी से यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में आए भूकंपों की एक श्रृंखला के बाद, पाकिस्तान ने इस साल अप्रैल और मई के बीच गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण किए होंगे। 30 अप्रैल और 12 मई के बीच आए ये भूकंप, जिनकी तीव्रता 4.0 से 4.7 के बीच थी, 28 और 30 मई, 1998 को पाकिस्तान के चगाई-। और चगाई-।। परमाणु परीक्षणों के दौरान उत्पन्न तीव्रता के समान पाए गए। पाकिस्तान ने पहले किसी भी परमाणु परीक्षण से इनकार किया था। एक वरिष्ठ पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी ने सीबीएस न्यूज़ को बताया कि पाकिस्तान परमाणु परीक्षण दोबारा शुरू करने वाला पहला देश नहीं होगा।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सड़कों पर Gen-Z, दर्शन कर रहे छात्रों पर फायरिंग से बढ़ा बवाल

एजेंसी

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में छात्रों ने ई-मार्किंग प्रणाली और बढ़ी फीस के खिलाफ जोरदार विरोध शुरू कर दिया है। मुजफ्फराबाद से मीरपुर तक प्रदर्शन जारी हैं। एक वीडियो में बंदूकधारी को छात्रों पर फ ायरिंग करते देखा गया, जिससे हालात बिगड़ गए। गुस्साए छात्रों ने टायर जलाए और तोड़फोड़ की। 30 अक्टूबर को घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी के बाद यह आंदोलन भड़का। यह इस साल पीओके का दूसरा बड़ा आंदोलन है। इससे पहले सब्सिडी को लेकर भारी हिंसा हुई थी। **पीओके में जेन-जेड विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया** यह आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, क्योंकि आक्रोशित छात्रों ने टायर जलाए, आगजनी और तोड़फ ोड़ की और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारे लगाए - दक्षिण एशियाई देशों नेपाल और बांग्लादेश में जेन-जेड विरोध प्रदर्शनों की तरह। मुजफ्फराबाद के एक शीर्ष विश्वविद्यालय में बढ़ती फ ीस और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। जैसे ही आंदोलन ने गति पकड़ी, प्रशासन ने विश्वविद्यालय में राजनीतिक गतिविधियों पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया। जनवरी 2024 में भी ऐसा ही एक आंदोलन हुआ था। छात्रों ने आरोप लगाया था कि सेमेस्टर फीस के नाम पर हर तीन-चार महीने में लाखों रुपये वसूले जा रहे हैं। फिर, पीओके के शिक्षण और प्रशासनिक कर्मचारी भी अपने लंबे समय से लंबित वेतन वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए।

CMYK CMYK

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में हुई राजनैतिक दलों की बैठक

सभी राजनीतिक दल अपने दल से BLA नियुक्त करें, जो BLO के साथ मिलकर क्षेत्र में भ्रमण करें ताकि कोई भी योग्य मतदाता सूची से वंचित न रहे- कलेक्टर

रायपुर, नवंबर (संवाददाता)। कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम, कार्ययोजना एवं सभी स्तरों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की रीढ़ है, इसे शुद्ध और अद्यतन रखना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी (BLO) 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 तक प्रत्येक घर जाकर गणना प्रपत्र (Enumeration Form) वितरित करेंगे और जानकारी संकलित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने बूथ लेवल एजेंट (BLA) शीघ्र नियुक्त करें ताकि वे BLO के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। निर्वाचन आयोग ने बताया कि गणना प्रपत्र भरने की अवधिः 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 तक, ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशनः 09 दिसम्बर 2025, दावा-आपत्ति अवधिः 09 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026, सत्यापन एवं सुनवाईः 09 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तथा अंतिम प्रकाशनः 07 फरवरी 2026 को है। बैठक में बताया गया कि विशेष पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है। मृत, पलायन कर गए, डुप्लीकेट नामों को हटाने तथा पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जाएगी।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के दौरान जिन व्यक्तियों की अर्हता संदिग्ध पाई जाएगी, उन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (श्वञ्ह) द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा। उनका पक्ष सुनने के बाद अंतिम निर्णय श्वञ्ह द्वारा लिया जाएगा। जो पात्र नागरिक निर्धारित समयावधि में गणना प्रपत्र नहीं भर पाए हैं, वे दावा-आपत्ति अवधि में फार्म-6 एवं अतिरिक्त घोषणा-पत्र भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। श्वञ्ह आगामी 01 अप्रैल 2026, 01 जुलाई 2026 एवं 01 अक्टूबर 2026 को अर्हता प्राप्त करने वाले मतदाताओं के आवेदन एडवांस में भी स्वीकार करेगा। इच्छुक व्यक्ति अपने आवेदन क्ञ्ह के माध्यम से जमा कर सकते हैं। प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों की सूची श्वञ्ह कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी तथा साप्ताहिक रूप से यह सूची राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाएगी। दावा-आपत्तियों के निराकरण के उपरांत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 (शनिवार) को किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची राजनीतिक दलों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। मतदाताओं के सहयोग हेतु प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एनएसएस, एनसीसी, आजीविका दीदी, किसान मित्र, सचिव, मितानिन एवं हेल्थवर्कर को वालेंटियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। जिला मुख्यालय में कन्ट्रोल रूम/हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है, जिसका संपर्क नंबर 1950 है। नागरिक किसी भी प्रकार की सहायता हेतु इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, श्वञ्ह के निर्णय के विरुद्ध जिला निर्वाचन अधिकारी को अपील की जा सकती है, तथा जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर को द्वितीय अपील प्रस्तुत की जा सकती है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। सभी दलों और नागरिकों से अपेक्षा है कि वे इसमें सक्रिय सहयोग दें।मतदाता अपने नाम एवं विवरण की जांच httpsÑ//voters.eci.gov.in या httpsÑ//election.cg.gov.in/searchelector/ पर कर सकते हैं। किसी भी सहायता के लिए जिला स्तरीय हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी नवीन ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बड़ी संख्या में आये बोलिदारों को दी गई रेत खदान नीलामी की ट्रेनिंग

सारंगढ़-बिलाईगढ़, । जिले में महानदी के तटीय क्षेत्र के आसपास स्थित 5 रेत खदानों जसपुर व दहिदा, बरगांव, मिरचिद (अ), मिरचिद (ब) के 4.99 हेक्टेयर रकबा क्षेत्र का उत्खनन पट्टा आबंटन किया जाएगा।

खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के नेतृत्व में ई नीलामी के संबंध में बड़ी संख्या में आये बोलीदारों को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सारंगढ़ में 6 नवंबर को दोपहर 12 बजे प्रशिक्षण दिया गया। इस संबंध में विस्तृत जानकारी सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले की वेबसाईट पर उपलब्ध है।रेत उत्खनन पट्टा आबंटन के लिए 7 से 13 नवंबर तक होगी ई-नीलामीकार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के नियम-7 के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स आक्शन) के माध्यम से उत्खननपट्टा आबंटन हेतु अर्हता प्राप्त इच्छुक बोलीदारों सेइलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स आक्शन) हेतु तकनीकी एवं वित्तीय बोली, 7 नवंबर से 13 नवंबर 2025 (07 दिवस) तक निविदा जमा की जाएगी। बोलियां केवल आनलाईन पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।

ईनीलामी में शामिल होने के लिए आवश्यक दस्तावेजईनीलामी में शामिल होने वालों के लिए आवश्यक दस्तावेज में आधार कार्ड, पेनकार्ड, निवास पत्र, पॉवर ऑफ़ अटॉरनी (फर्म, कम्पनी) जीएसटी (फर्म, कम्पनी) पेन कार्ड, खनिज बकाया के संबंध में शपथ पत्र, नो ड्यूज शपथ पत्र, कैंसिल चेक, डिजिटल सिग्नेचर, मोबाईल नंबर, ईमेल, बैंक खाता विवरण शामिल है।

'वन्देमातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा 26 तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रही : जैन

रायपुर, । भारतीय जनता पार्टी आगामी 7 नवम्बर से संविधान दिवस (26 नवम्बर) तक बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम्, जिसने करोड़ों लोगों को भारत माता की सेवा हेतु प्रेरित किया, रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम देश में 150 एवं प्रदेश में 7 स्थानों में आयोजित किए जाएंगे। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व वन्देमातरम् कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी नन्दन जैन ने यह जानकारी दी। वन्देमातरम् कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी श्री जैन ने बताया कि भाजपा ने इस अवसर पर 7 नवम्बर को वंदे मातरम् का वाचन किया जाएगा। यह आयोजन सभी जिलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में इसी प्रकार आयोजित किया जाएगा। इस अवधि के दौरान सेमिनार, प्रदर्शनी, साहित्यिक प्रतियोगिताएँ, सोशल मीडिया अभियान, लेखों तथा साहित्य की तैयारी जैसे विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। श्री जैन ने बताया कि वाद्य यंत्रों के साथ या उनके बिना वंदे मातरम् का अभ्यास इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण अंग होगा। आयोजन के दिन वंदे मातरम् का अभ्यास कर उसका सामूहिक गायन किया जाएगा। इसी दौरान एक स्वदेशी संकल्प पत्र को वंदे मातरम् के पाठ के पश्चात् सामूहिक रूप से दोहराया जाएगा। कार्यक्रम का प्रारूप वन्देमातरम् कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी श्री जैन ने बताया कि आगामी 7 नवम्बर को राजधानी के इनडोर स्टेडियम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में भव्य कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम के प्रभारी विधायक पुरंदर मिश्रा,महापौर मीनल चौबे हैं। इसी प्रकार बिलासपुर स्टेडियम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम होगा जिसके प्रभारी पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल व महापौर पूजा विधानी हैं। अम्बिकापुर के पी.जी. कॉलेज के सभागार में होने वाले कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे। यहाँ प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी व महापौर मंजुला भगत प्रभारी हैं। जगदलपुर के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी टाउनहाल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम होगा। यहाँ कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप व महापौर संजय पाण्डेय कार्यक्रम प्रभारी हैं। दुर्ग में बीआईटी कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि होंगे। यहाँ जितेंद्र वर्मा व महापौर अलका बाघमार को कार्यक्रम प्रभारी बनाया गया है।

कलेक्टर की पाती : मतदाता सूची पुनरीक्षण में पूर्ण निष्ठा से करें कार्य

धमतरी, भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अबिनाश मिश्रा (आईएएस) ने सभी बी.एल.ओ. साथियों को संबोधित करते हुए कहा है कि निर्वाचन से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना आवश्यक है।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने केपश्चात सभी बी.एल.ओ. अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण कार्य करेंगे। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न रहे। उन्होंने कहा कि यह कार्य लोकतंत्र को सशक्त करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक नागरिक के मतदान अधिकार को सुनिश्चित करने में बी.एल.ओ. की भूमिका अहम है। अतः सभी बी.एल.ओ. से अपेक्षा की जाती है कि वे इस कार्य को पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और सजगता के साथ संपादित करें, ताकि धमतरी जिला निर्वाचन कार्यों में एक आदर्श प्रस्तुत कर सके।

कलेक्टर मिश्रा ने सभी बी.एल.ओ. साथियों को पाती लिख कर उनके समर्पण और निष्ठा के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आपकी लगन ही जिले को निर्वाचन व्यवस्था में उत्कृष्ट बनाएगी।

केबिनेट मंत्री केदार कश्यप के जन्मदिन पर हवन पूजन और रक्तदान

केदार कश्यप यूथ फैंस और शुभचिंतकों ने मनाया मंत्री कश्यप का जन्मदिन

जगदलपुर, संवाददाता

वन मंत्री केदार कश्यप के 51वें जन्मदिन पर जगदलपुर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। मां दंतेश्वरी मंदिर जगदलपुर में केदार कश्यप यूथ फैंस के सदस्यों और शुभचिंतकों ने मंत्री केदार कश्यप के दीर्घायु जीवन की कामना के साथ हवन पूजन किया।

उसके पश्चात केदार कश्यप यूथ फैंस के सदस्यों ने महारानी अस्पताल जाकर रक्तदान किया जिसमें युवाओं ने बढ़चढकर हिस्सा लिया एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराया। उसके बाद मेडिकल कालेज डिमरापाल जाकर यूथ फैंस के सदस्यों ने मरीजों को फल वितरण किया। इस दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. अनुरूप साहू, मेडिकल कॉलेज स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव, डॉ प्रशांत के साथ अन्य छात्र व स्टॉफ भी मौजूद रहे। मंत्री श्री कश्यप के जन्मदिन पर हुए कार्यक्रमों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य रैतूराम बघेल, जनपद सदस्य गौरव कश्यप, एमआईसी सदस्य संग्राम सिंह राणा, दिगंबर राव, राकेश तिवारी, गजानंद कुलदीप, अमर यदु, संजय चंद्राकर, संजय उपाध्याय, मनोज पटेल, त्रिवेणी रनधारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुधा मिश्रा, लक्ष्मी कश्यप, माहेश्वरी ठाकुर, कुसुम परिहार, शैलेंद्र यदु, प्रभात चौहान, ढाकेश्वरी पांडे, पार्षद हरीश पारख, गायत्री बघेल, आशा साहू, नेहा ध्रुव, श्वेता बघेल, उर्मिला यादव, अलका सेंगर, रंजीता पाणिग्रही, सोनू सोरी, अमर यदु, संजय उपाध्याय, अमित रामटेके, राकेश दत्ता, आदर्श ठाकुर, प्रीतेश राव, परेश ताटी, मयंक दीवान, कृष्ण नारायण नाग, बृजेश कपूर, राजेंद्र बघेल, रेनू बघेल, मंगल नाग, भरत कश्यप, आनंद झा, वीरेंद्र जोशी, दुर्जन कश्यप, भीम नाग, ओमप्रकाश कश्यप, चमन ठाकुर, लखीराम यादव, पीलूराम कश्यप, बंटू पांडेय, रमेश नायडू, विघ्नेशर बाकड़े, शेखर सिन्हा, सुकरु बघेल, फागू नाग, उदय सेठिया, लाला राम नाग, मनु सेठिया, संपत नाग, माहंगू नाग, सुदू नाग, सुकमन नाग सहित सैकड़ो की संख्या में समर्थक शामिल हुए।

गीदम ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 में युवाओं ने दिखाई का खेल प्रतिभा

0 जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग 11 विधाओं में लगभग 13050 प्रतिभागी लिया हिस्सा

दंतेवाड़ा,)। दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड गीदम अंतर्गत अटल बिहारी वाजपाई एजुकेशन सिटी जावंगा में जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के तत्वावधान में 3 दिवसीय विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 खेल प्रतियोगिता 3 से 5 नवंबर तक भव्यता से आयोजित किया गया। इस क्रम में बालक एवं बालिकाओं के लिए जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग प्रतियोगिता शामिल किया गया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन पर बस्तर क्षेत्र के युवाओं की प्रतिभाओं को नवीन अवसर देने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत एकलव्य खेल परिसर जावंगा में बैडमिंटन, कराटे, कबड्डी, तीरंदाजी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स एवं रस्सा खींच जैसे खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

इस दौरान मुख्य अतिथि क्षेत्र विधायक चैतराम अटामी, सहित जनपद पंचायत उपाध्यक्ष दिनेश कौशल एवं जावंगा ग्रामपंचायत सरपंच बोमड़ा कोवासी एवं अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने विजेताओं को मोमेंटो, प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दे कर सम्मानित किया। यह सभी विजयी प्रतिभागी दंतेवाड़ा में जिला स्तर पर होने वाले बस्तर ओलंपिक में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इस खेल प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग 11 विधाओं में विकासखंड गीदम के विभिन्न ग्राम पंचायत, नगर पंचायत एवं शैक्षणिक संस्थाओं से लगभग 13050 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान नोडल आयोजक जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बलराम सिंह ध्रुव विकासखंड शिक्षा अधिकारी भवानी पुनेम सहित, सर्व सचिव जनपद पंचायत, सर्व संकुल समन्वयक शिक्षा विभाग, सर्व पीटीआई, शिक्षक शिक्षिकाए उपस्थित थे।

ई संवर्ग के 1378 शिक्षकों का प्राचार्य बनने का रास्ता साफ हाईकोर्ट ने सरकार के मापदंडों और नियमों को सही ठहराया

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने व्याख्याता के पद पर पदोन्नति के लिए राज्य शासन द्वारा तय कैडर व मापदंडों को सही ठहराते हुए शिक्षक की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद ई संवर्ग के 1378 व्याख्याताओं को प्राचार्य के पद पर पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। बता दें कि याचिका पर सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने 5 अगस्त 2025 को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। बता दें कि 30 अप्रैल को प्राचार्य पदोन्नित की सूची जारी की गई थी। इसके तहत छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के ई संवर्ग एवं टी संवर्ग के 2,925 प्राचार्य के पदों पर स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के व्याख्याता नियमित, व्याख्याता एलबी तथा प्रधान पाठक माध्यमिक विद्यालय को पदोन्नति देकर प्राचार्य बनाया था। प्राचार्य पदोन्नति को लेकर हाईकोर्ट में कई याचिकाएं लगी है। एक मामला 2019 से जुड़ा हुआ है, जबकि दूसरा प्रकरण 2025 और बीएड-डीएलएड से जुड़ा है। 28 मार्च 2025 को जब हाईकोर्ट की पिछली सुनवाई हुई थी तो राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को आश्वस्त किया गया था कि अगली सुनवाई तक प्राचार्य पदोन्नित का आदेश जारी नहीं किया जाएगा। कोर्ट का आश्वस्त करने के बाद भी 30 अप्रैल को पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। अगले दिन एक मई को हाईकोर्ट ने इस पूरी प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। जस्टिस रविंद्र कुमार ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा है। इससे पहले इन्टरविनर अधिवक्ता अनूप मजूमदार ने पक्ष रखा था। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में प्राचार्य पदोन्नति को लेकर हाईकोर्ट ने अहम फैसले में राज्य सरकार के बनाए गए नियमों और मापदंडों को पूरी तरह वैध माना है। नारायण प्रकाश तिवारी ने याचिका दायर कर प्राचार्य पद पर 65त्न की बजाय 100त्न पद ई संवर्ग को देने की मांग की थी। राज्य शासन की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि प्राचार्य पदोन्नति के लिए बनाए गए नियमों को लेकर डिवीजन बेंच में पहले ही विस्तार से सुनवाई हो चुकी है। 9 जून से 17 जून तक चली सुनवाई में सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए सरकार के नियमों को वैध करार दिया गया। कोर्ट ने 30 अप्रैल को जारी प्राचार्य की सूची पर लगी रोक को हटाते हुए इसे बहाल कर दिया है। डिवीजन बेंच ने प्राचार्य के पद पर पदोन्नति के लिए 65% 'ई संवर्ग, 25% लोकल बॉडी संवर्ग और 10% सीधी भर्ती का कोटा मान्य बताया है।

धान खरीदी खरीफवर्ष 2025 : तुंहर टोकन मोबाइल एप'' के जरिये कृषक धान बिक्री के लिए प्राप्त कर सकते है टोकन

एजेंसी

दंतेवाड़ा, । तुंहर टोकन मोबाइल एप'' धान खरीदी के लिए टोकन हेतु एप है, जिसमें कृषक स्वयं अपने धान की बिक्री के लिए टोकन कटा सकते है इसके माध्यम से बिना समिति जाए अपने अनुसार बिक्री दिनांक को चयन करते हुए टोकन कटाया जा सकता है। इससे कृषकों को समिति तक आने की आवश्यकता नहीं रहेगी। जिससे उनके समय में बचत होगी। इस प्रकार उक्त ऐप का उपयोग करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की समर्थन मूल्य में धान उपार्जन के अतिमहत्त्वपूर्ण योजना का लाभ कृषक ले सकते है।

तुंहर टोकन मोबाइल एप प्रक्रिया

सोसायटी संचालकों के द्वारा टोकन सुबह 8 बजे विशेष रूप से ''तुंहर टोकन मोबाइल एप'' के माध्यम से जारी किए जाने होगें। सोसायटी संचालक पिछले वर्ष की भांति सुबह 9:30 बजे से टोकन जारी करना शुरू कर सकते हैं। टोकन अगले 7 खरीदी दिनों के लिए जारी किए जा सकते हैं और टोकन में जारी धान की मात्रा डीसीएस गिरदावरी पीवी के अनुसार पंजीकृत धान रकबा से कम या बराबर होनी चाहिए। लघु किसानों और सीमांत किसानों को अधिकतम 2 टोकन की अनुमति है। इसके अलावा बड़े किसानों को अधिकतम 3 टोकन की अनुमति है पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अनधिकृत टोकन जारी होने से रोकने के लिए, टोकन बनाते समय आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है। इससे किसान की पहचान सत्यापित होगी और उनकी स्पष्ट सहमति के बिना टोकन जारी होने से रोका जा सकेगा।

रजत जयंती वर्ष 2025 तक कृषि विभाग की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

बीजापुर, छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्ष रजत जयंती वर्ष के अवसर पर बीजापुर जिले के कृषि विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। जिला गठन के समय जहाँ जिले का सिंचित रकबा केवल 784 हेक्टेयर था, वहीं विभाग के सतत प्रयासों से यह बढ़कर वर्ष 2025 तक 6594 हेक्टेयर हो गया है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत जिले में प्रारंभिक समय में 1300 कृषक लाभान्वित थे, जो अब बढ़कर 29,548 कृषक हो गए हैं। जिला गठन के समय मात्र 1246 कृषक ही धान बेचते थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 18,033 कृषकों तक पहुँच गई है। किसान समृद्धि योजना (नलकूप खनन) के अंतर्गत जिले में वर्ष 2007 में केवल 47 कृषक लाभान्वित थे, जो अब बढ़कर 768 कृषक हो गए हैं। इसी प्रकार, उच्च प्रमाणित बीज वितरण में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है – जो 2500 क्विंटल से बढ़कर अब 13,352 क्विंटल तक पहुँच गया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री

किसान सम्मान निधि योजना के तहत 25,739 कृषक लाभान्वित हो रहे हैं। जिले में अब तक 21,800 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया जा चुका है। जैविक खेती के क्षेत्र में भी जिले ने प्रगति की है – अब तक 5258 किसानों को जैविक खेती का प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। साथ ही, जिले में 17 कृषि सेवा केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे किसानों को उन्नत तकनीकी सहायता एवं मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। इन सभी उपलब्धियों के माध्यम से बीजापुर जिले का कृषि विभाग राज्य की कृषि प्रगति में एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्स' के 150 साल - छत्तीसगढ़ में देशभक्ति से भरा उत्सव का वातावरण दिखा

संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में की शिरकत

रायपुर (लोकशक्ति।)। राष्ट्रगौरव और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत माहौल में 7 नवंबर को छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में कलेक्टर विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, अमृत लाल ध्रुव सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने दूरदर्शन पर प्रसारित राष्ट्रव्यापी लाइव समारोह का अवलोकन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वंदे मातरम् 150 वर्ष' समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया।

ज़्यादा जा प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और एकता का प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों में अमिट राष्ट्रभावना का संचार किया।

इस अवसर पर संगीत महाविद्यालय अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने स्वरबद्ध रूप में 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति दी, जिसे सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खड़े होकर दोहराया। पूरा सभाकक्ष देशभक्ति की भावनाओं से गूंज उठा। संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'वंदे मातरम्' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। यह गीत हर भारतीय के भीतर मातृभूमि के प्रति प्रेम, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस गीत की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें और नई पीढ़ी तक पहुंचाएं।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में वर्षभर चलने वाले चार चरणों के विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की गई है–

प्रथम चरण 07 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस सप्ताह), तृतीय चरण 07 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) एवं चतुर्थ चरण 01 से 07 नवम्बर 2026 (समापन सप्ताह) होगा।

इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा vandemataramvz®.in नामक विशेष पोर्टल भी प्रारंभ किया गया है, जहाँ नागरिक राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को अपने स्वर में गाकर अपलोड कर सकते हैं। इस पोर्टल पर गीत के बोल, संगीत और डिजिटल प्रमाणपत्र की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय उत्सव में अपनी सहभागिता दर्ज करा सकें। छत्तीसगढ़ में आज का यह कार्यक्रम राष्ट्रगौरव, एकता और देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण रहा – जिसने यह संदेश दिया कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

संवेदीकरण कार्यक्रम अंतर्गत ''सायबर सुरक्षा एवं कानून' विषय पर एक दिवसीय संवेदीकरण व्याख्यान सम्पन्न

लोकशक्ति।

बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाठक के निर्देशन एवं आई.टी. विभाग द्वारा दिनांक 06.11.2025 को संवेदीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत डिजिटल जागरूकता के तहत ''सायबर सुरक्षा एवं कानून' विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन समिति के सचिव रश्मि कुजूर एवं डॉ. सीमा साहू रही। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के नवीन भवन के सेमिनार हॉल में आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुवात माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुई, छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुरेन्द्र पटेल, सहायक प्राध्यापक, सूचना प्रौद्योगिकी, शासकीय नागार्जुन महाविद्यालय, रायपुर एवं डॉ. तीरथ प्रसाद साहू, सहायक प्राध्यापक, सूचना प्रौद्योगिकी, एन.आई.टी., रायपुर उपस्थित रहें। कार्यक्रम में प्रथम वक्ता के रूप में डॉ. सुरेन्द्र पटेल ने अपने व्याख्यान में साइबर सुरक्षा क्यों जरूरी है?, साइबर अपराध क्या होता है?, साइबर क्रिमिनल कौन है? व साइबर अटैक पर विस्तृत व्याख्यान दिया। वर्तमान समय में हो रहे साइबर अपराध व उससे बचाव हेतु अपने आवश्यक सुझाव व तथ्य साझा की। साइबर अटैक को उदाहरण के माध्यम से विद्यार्थियों को सरल तरीके से समझाया गया। साइबर अटैक के अन्तर्गत ऑनलाइन गेम्स, फिसिंग, डीपफेक्स कैमरा, हैकिंग एवं के.वाय.सी. वेरिफिक्रेशन स्कीम, डिजिटल अरेस्ट आदि आते है। भारत में लागू आई.टी. एक्ट 2000 से संबंधित कानून की जानकारी दी गई। अपने व्याख्यान के अंत में साइबर अटैक से बचाव व सुरक्षा तथा इसके लिए जारी हेल्पलाइन नम्बर के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में द्वितीय वक्ता के रूप में तीरथ प्रसाद साहू ने ''सायबर अपराध और इसके प्रकार'' विषय पर अपना व्याख्यान दिये।

लोक कलाकारों के साथ झूमे पर्यटक, चांदनी रात में उठाया स्टार ग्रेजिंग का आनंद

रायपुर (संवाददाता)। जशपुर जिले में आयोजित जशपुर जम्बुरी 2025 का पहला दिन लोक संस्कृति, आतिथ्य और प्राकृतिक सौंदर्य के रंगों से सराबोर रहा। देशदेखा पहुंचे देशभर के पर्यटक न केवल जशपुर की मनमोहक वादियों में खो गए, बल्कि लोक कलाकारों के साथ पारंपरिक नृत्य और संगीत की थाप पर झूम उठे। पहले दिन जम्बुरी में 120 पर्यटकों का पंजीयन किया गया। उनका स्वागत जशपुर की परंपरागत शैली में किया गया और स्थानीय शुद्ध दोना-पत्तल में पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। अतिथियों ने स्थानीय भोजन के स्वाद और जशपुरवासियों के आत्मीय सत्कार की प्रशंसा की। सांझ ढलते ही चांदनी रात में देशदेखा का आसमान सितारों से जगमगा उठा। पर्यटकों ने खुले आसमान के नीचे स्टार ग्रेजिंग सेशन का आनंद लिया, जो जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से आयोजित किया गया था। तारों के बीच बैठकर लोक कलाकारों की प्रस्तुति ने वातावरण को और भी मनमोहक बना दिया।

मुख्यमंत्री साय ने नुआपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में चुनावी सभा को संबोधित किया

उत्तम हो ओड़िशा, हम सबका संकल्प : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर(संवाददाता)।

रायपुर/नुआपाड़ा,। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नुआपाड़ा विधानसभा उपचुनाव के भाजपा प्रत्याशी जय ढोलकिया के समर्थन में चुनाव प्रचार में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तम ओड़िशा विकसित हो, यह हम सबने संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव आ रहा है जिसके हम सब साक्षी हैं। श्री साय ने कहा कि ओड़िशा और छत्तीसगढ़ का नाता हमेशा मजबूत रहा है। हमारी संस्कृति एक जैसी है। हम सब पर भगवान जगन्नाथ का भरपूर आशीर्वाद है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इससे पहले ओड़िशा में बीजेडी की सरकार थी, तब यहाँ का विकास थम गया था और सबके मन में एक ही प्रश्न था कि यहाँ के मुख्यमंत्री नवीन बाबू थे या पांडियन? यह बात किसी से छिपी नहीं है। श्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन मांझी के नेतृत्व में ओड़िशा विकास के पथ पर गतिमान है। हम सब एक साथ मिलकर सबके विकास के लिए काम कर रहे हैं। हमेशा भाजपा ने जनजातीय समाज का सम्मान किया है, इसी कारण आज देश की सर्वोच्च पद पर द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद का दायित्व निर्वहन कर रही हैं और इसी समाज का बेटा होने के नाते मुख्यमंत्री मोहन मांझी व मैं स्वयं आपकी सेवा में कार्यरत हैं। इसके साथ ही मांझी कैबिनेट में 4 जनजाति समाज के विधायकों को शामिल किया गया है। श्री साय ने कहा कि नुआपाड़ा के विकास के लिए मांझी सरकार बेहतर कार्य कर रही है अब तक इस जिले को 1101 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। 8 सौ करोड़ रुपए जल परियोजना पर व्यय किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ओड़िशा तथा छत्तीसगढ़, दोनों ही राज्यों में डबल इंजन की सरकार है और हर वर्ग को इसका लाभ मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना है और ओड़िशा में सुभद्रा योजना के तहत हर महिला को आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ और ओड़िशा की सरकार संयुक्त कार्रवाई कर रही है। यही कारण है कि आज हम नक्सलवाद मुक्त होने की दिशा में जुटे है। श्री साय ने कहा कि पूर्व वरिष्ठ विधायक स्व. राजेन्द्र धोलकिया के पुत्र जय धोलकिया को समर्थन देकर उत्तम ओड़िशा के संकल्प को पूरा करना है। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व ओड़िशा सह प्रभारी लता उसेंडी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बसंत पंडा, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, विधायक पुरंदर मिश्रा, रोहित साहू मौजूद थे।

जिले में असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त युवक को कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने 3 माह के लिए किया जिला बदर

रायपुर, । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर डॉ. गौरव सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के तहत जोगिन्दर बाघ पिता हरि बाघ, उम्र 19 वर्ष, निवासी दीपक कॉलोनी, थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर को जिले की सीमाओं से निष्कासित जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनावेदक द्वारा लगातार असामाजिक और आपराधिक प्रवृत्तियों की गतिविधियाँ की जा रही थीं, जिन पर सामान्य कानूनी कार्यवाही और प्रतिबंधात्मक कदमों का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। सुरक्षा एवं लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक गोपनीय साक्ष्य और रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जारी आदेश के अनुसार, अनावेदक को आदेश की तिथि से एक सप्ताह के भीतर, अर्थात 09 नवम्बर 2025 तक रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा ।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया चक्काजाम

रायपुर (। राजधानी के टेकारी रोड पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, इस घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने किया चक्काजाम

घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। लोगों का गुस्सा इतना था कि वे सड़क से हटने को तैयार नहीं थे, जिससे इलाके में भारी जाम की स्थिति बन गई। पुलिस टीम हंगामा शांत कराने और यातायात बहाल करने की कोशिश में जुटी है।

दूध बेचता था मृतक - जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान कुश साहू, टेकारी निवासी के रूप में हुई. कुश दूध बेचने

का काम करता था। आज सुबह वह किसी काम से बाइक पर सवार होकर निकला था। लेकिन तेज रफ्तार कार ने उसे ठोकर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ बनेगा मध्य भारत का टेक्नोलॉजी और नवाचार हब : विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने किया 'मेक इन सिलिकॉन' संगोष्ठी का शुभारंभ

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री साय ने शुक्रवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) नवा रायपुर के 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय 'मेक इन सिलिकॉन' संगोष्ठी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है और आज राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ का भी ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों और ट्रिपल आईटी परिवार को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर स्थापित है, जिन्होंने शिक्षा, एकता और औद्योगिक विकास को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर आज आधुनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है– मोबाइल, सैटेलाइट, रक्षा प्रणाली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सभी इससे जुड़े हैं। ऐसे में 'मेक इन सिलिकॉन' जैसी पहल भारत की चिप क्रांति को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ इस मिशन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति में सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कुशल मानव संसाधन, सुदृढ़ औद्योगिक ढांचा, निर्बाध बिजली आपूर्ति और तकनीकी विकास के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध है। नवा रायपुर में सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना का भूमिपूजन हो चुका है, जिससे युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर को आईटी और इनोवेशन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

राज्य का 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन डॉक्यूमेंट' सतत विकास पर केंद्रित है, जिसमें सेमीकंडक्टर को प्रमुख क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इज ऑफ डूइंग बिज़नेस के साथ अब स्पीड आफ डूइंग बिज़नेस पर भी बल दे रही है।

मुख्यमंत्री ने देशभर से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस संगोष्ठी से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश को लाभ मिलेगा। उन्होंने आह्वान किया कि ÷हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को मध्य भारत का ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का केंद्र बनाएं तथा भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में सक्रिय योगदान दें।÷

मेकाहारा में सनसनी : डस्टबिन के पास प्लास्टिक बैग में मिला नवजात का शव

रायपुर राजधानी रायपुर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा (डॉ. अंबेडकर अस्पताल) में शुक्रवार सुबह एक नवजात का शव मिलने से हड़कंप मच गया। अस्पताल के इमरजेंसी गेट के पास पड़े एक प्लास्टिक बैग में नवजात का शव मिलने की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े सात बजे अस्पताल परिसर में सफाई के दौरान कर्मचारियों को डस्टबिन के पास एक पॉलीथिन बैग मिला। बैग खोलने पर अंदर नवजात का शव देखकर कर्मचारी घबरा गए और तुरंत अस्पताल प्रबंधन को सूचना दी।

पुलिस जांच में जुटी

सूचना मिलने पर मौदहापारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मरचुरी (मृतक कक्ष) भेज दिया गया। पुलिस अब अस्पताल परिसर और प्रवेश द्वारों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि शव वहां कैसे पहुंचा। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने जन्म के तुरंत बाद नवजात को पॉलीथिन में फेंक दिया।

अस्पताल प्रशासन की जांच शुरू मेकाहारा प्रबंधन ने भी आंतरिक जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में जन्मे बच्चों की सूची और प्रसूति वार्ड की निगरानी रिपोर्ट खंगाली जा रही है ताकि किसी संदिग्ध गतिविधि का पता चल सके। अस्पताल प्रशासन ने कहा है कि दोषी की पहचान होते ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घटना से फैली दहशत

घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। मरीजों के परिजन और आसपास के लोग इस घटना से हैरान और आक्रोशित हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और नवजात की पहचान एवं आरोपी की तलाश जारी है।

संपादकीय

अल्पकालिक युद्धविराम

ट्रंप- शी वार्ता में मलेशिया में बनी सहमतियों पर दस्तखत हो जाते हैं। ऐसा हुआ, तो अमेरिका और चीन के अलावा बाकी दुनिया को भी राहत मिलेगी। मगर जो हालात हैं, उनके बीच यह करार भी एक अल्पकालिक युद्धविराम ही होगा। दुनिया नजरें गुरुवार को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू शहर पर होंगी, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की शी के साथ यह पहली मुलाकात होगी, जिसके लिए वे खासे उतावले नजर आए हैं। यह उतावलापन कुछ तो उनकी ट्रॉन्गमैन पॉलिटिक्स के कारण है, जिसके तहत उन्हें ताकतवर नेताओं से मिलने में खास संतोष मिलता है। इस बात की ताजा मिसाल उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग-उन से मिलने की उनकी दिलचस्पी है।

संस्मण : प्रेमेन्द्र अग्रवाल

मेरे पुश्तैनी घर का बरामदा

बेटा: माँ, क्या आपको तिबासाई में हमारा पुश्तैनी घर याद है—जहाँ मेरा जन्म हुआ था?

माँ: बिल्कुल, मैं कैसे भूल सकती हूँ? उस घर से कितनी सारी यादें जुड़ी हैं। आज आपको उसकी याद कैसे आई?

बेटा: मैं बस बरामदे को याद कर रहा था। तुम्हें पता है, उसे किसी राजमिस्त्री ने नहीं बनाया था। पिताजी खुद मिट्टी इकट्ठा करके हमारे आँगन में रखते थे, कच्ची ईंटों को अपने हाथों से आकार देते थे और फिर उन्हें पॉलिश करते थे। जब भी मैं इसके बारे में सोचता हूँ, मुझे बहुत गर्व होता है—यह उनके प्रेम का फल था।

माँ: हाँ, उन्होंने उस बरामदे में अपना मन लगा दिया था। वह हमारे घर की आत्मा बन गया।

बेटा: लेकिन इसमें एक और बात है जिसे याद करके मुझे आज भी शर्म आती है।

माँ: (मुस्कुराते हुए) ओह? अब क्या है?

बेटा: जब भी चाचा नारनौल से आते, तो उसी बरामदे में बैठकर सिगरेट पीते और जाने से पहले उसके टुकड़े ज़मीन पर फेंक देते। मैं तब बस एक जिज्ञासु बच्चा था... और उनके जाने के बाद, मैं चुपके से उन सिगरेट के टुकड़ों को उठाकर अपने होंठों के बीच रख लेता—उनकी तरह सिगरेट पीने का नाटक करता।

माँ: (हल्के से हँसती है) अरे यार, बच्चे यही तो करते हैं—बिना कुछ समझे बड़ों की नकल करते हैं।

बेटा: मुझे पता है... लेकिन आज भी, जब भी मुझे वो याद आता है, तो मैं शर्मिंदा हुए बिना नहीं रह पाता।

माँ: शर्म मत करो। यही छोटी-छोटी बातें हमारे बचपन को इतना मानवीय—और इतना यादगार बनाती हैं।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा
लिखित पुस्तकें पढ़िये
ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली : मौतों का भयावह यथार्थ

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ ÷सफलता÷ का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को ÷प्रदर्शन की प्रतियोगिता÷ बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है।

एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-÷पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।÷ आज की शिक्षा बच्चों को केवल ÷जानकार÷ बना रही है, ÷ज्ञानी÷ नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा ÷प्रतियोगिता का उद्योग÷ पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में ÷होलिस्टिक लर्निंग÷, ÷जॉयफुल एजुकेशन÷, ÷रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर÷ जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-÷शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।÷ स्वामी विवेकानंद ने भी कहा ÷शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।÷ परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि ÷तनाव से कैसे निपटें÷, ÷असफलता को कैसे स्वीकारें÷ या ÷भावनाओं को कैसे व्यक्त करें।÷ जिन्हें हम ÷टॉपर÷ कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता।यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-÷सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।÷ समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

यह निजी विचार है।

आजाद भारत के इतिहास में राजनीति ज्यादातर समय हक की एक ऐसी भावना से प्रभावित

हरदीप सिंह पुरी
केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार

आजाद भारत के इतिहास में राजनीति ज्यादातर समय हक की एक ऐसी भावना से प्रभावित रही, जिसने विरासत और वैधता के बीच घालमेल किया। एक परिवार और एक पार्टी को यह लगने लगा कि वे शासन करने के लिए ही पैदा हुए हैं। गुजरते वक्त के साथ, इस मानसिकता ने संस्थाओं को खोखला कर दिया और पीढ़ियों को राजनीतिक विशेषाधिकार को जन्मसिद्ध अधिकार मानने के लिए प्रेरित किया। इस धारणा को अब योग्यता, जवाबदेही और प्रदर्शन पर आधारित नई राजनीतिक नैतिकता द्वारा चुनौती दी जा रही है।

हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित वन नेशन, फ्यू फैमिलीज शीर्षक लेख में भारत में वंशवादी राजनीति के जारी रहने को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया गया है। यह लेख जिस मुद्दे को उजागर करता है वह वास्तविक तो है, लेकिन उसकी व्याख्या अधूरी है। वंशवाद भाजपा समेत सभी दलों में मौजूद है। फिर भी, भाजपा की एक खासियत यह है कि वहां पारिवारिक पृष्ठभूमि अपने-आप नेतृत्व में तब्दील नहीं होती। यह एक ऐसी पार्टी है जहां अवसर अर्जित करना जरूरी होता है और जहां किसी व्यक्ति का उत्थान उसके काम, प्रतिबद्धता एवं जनता के विश्वास पर निर्भर करता है, न कि वंश पर। भाजपा में, एक पारिवारिक पहचान एक दरवाजा तो खोल सकता है, लेकिन उस दरवाजे को हमेशा के लिए खुला नहीं रख सकता।

यह एक मौलिक अंतर है। राजनीतिक रिश्तेदारी अपने आप में कोई समस्या नहीं है। लेकिन वंशानुगत नियंत्रण एक समस्या है। जब नेतृत्व एक ही परिवार की मिल्कियत बन जाए, जब आंतरिक बहस की जगह रक्त संबंधों के प्रति निष्ठा ले ले, तो लोकतंत्र मुरझा जाता है। राजनीतिक संस्कृतियों के बीच का यह अंतर काफी गहरा है। वर्ष 2000 से, भारतीय जनता पार्टी के आठ राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए हैं- बंगारू लक्ष्मण, जना कृष्णमूर्ति, वेंकैया नायडू, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जे.पी. नड्डा। ये सभी अलग-अलग क्षेत्रों एवं पृष्ठभूमि से आए हैं और इनमें से प्रत्येक संगठनात्मक कार्य के अनुशासन के रास्ते आगे बढ़े हैं। इसी अवधि के दौरान, कांग्रेस के मात्र तीन अध्यक्ष ही हुए हैं, जिनमें से दो गांधी परिवार से हैं। सोनिया गांधी उन्नीस वर्षों तक इस पद पर रहीं और आज भी पार्टी में इस परिवार का निर्णय ही अंतिम होता है।

इंडियन एक्सप्रेस का विश्लेषण, इन अंतरों को कम करके मौलिक रूप से भिन्न राजनीतिक हकीकतों को एक जैसा बना देता है। आकस्मिक रिश्तेदारी और संस्थागत कब्जे के बीच अंतर किए बिना ही, यह विश्लेषण राजनीति में रिश्तेदारों वाले विधायकों की संख्या की गिनती करता है। भाजपा के 2,078 विधायकों में से 84 राजनीतिक परिवारों से आते हैं, जो लगभग चार प्रतिशत है। कांग्रेस के 857 विधायक हैं, जिनमें से 73 वंशवादी हैं, जो लगभग नौ प्रतिशत है। आनुपातिक रूप से मापने पर, कांग्रेस का वंशवादी घनत्व दोगुना है। फिर भी, इस लेख में संख्याओं की गिनती का हवाला देकर एक झूठी समरूपता गढ़ी गई है।

कांग्रेस से परे भी, सत्ता का एक परिवार विशेष के हाथों में केन्द्रित होना ही कई क्षेत्रीय दलों की पहचान है। समाजवादी पार्टी की बागडोर मुलायम सिंह यादव से निकलकर अखिलेश यादव के पास चली गई। राष्ट्रीय जनता दल यादव परिवार के ही अधीन है। द्रमुक की लगाम एम. करुणानिधि से एम. के. स्टालिन और अब उदयनिधि स्टालिन के पास चली गई। तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के इर्द-गिर्द ही घूमती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा पर सोरेन परिवार का नियंत्रण बना हुआ है। ये बहुलवादी नेतृत्व के नहीं, बल्कि विरासत में मिले नेतृत्व के उदाहरण हैं। परिवार को हटा दिया जाये, तो पार्टी ढह ही जाये।

इस बात को समझने के लिए कि भाजपा अलग तरह से क्यों काम करती है, हमें इसके संस्थागत ढांचे पर गौर करना होगा। भाजपा का संगठन स्तरीकृत, सामूहिक और लक्ष्य-उन्मुख है। वहां कार्यकर्ताओं को बहुत जल्दी ही पहचान लिया जाता है और उन्हें व्यवस्थित कार्यक्रमों के जरिए प्रशिक्षित किया जाता है और बूथ, मंडल, जिला और राज्य स्तर पर जिम्मेदारी देकर परखा जाता है। प्रत्येक चरण में किया गया प्रदर्शन अगले अवसर का निर्धारण करता है। चुनाव जीते जाने वाली प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन ये संगठन की लामबंदी, लोगों को समझाने और परिणाम देने की क्षमता का भी लेखा-जोखा होती हैं। यह संरचना एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करती है जिसमें सेवा, अनुशासन और परिणाम ही आगे बढ़ने के पैमाने हैं।

नेतृत्व की पाइपलाइन की भी यही कहानी है। वर्ष 2014 से पार्टी ने पहली पीढ़ी के वैसे नेताओं को आगे बढ़ाया है जो भारत की सामाजिक गतिशीलता को दर्शाते हैं। छत्तीसगढ़ के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने निरंतर जमीनी स्तर पर काम करके अपना करियर बनाया। ओडिशा में मोहन माझी ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व मिलने से पहले संगठन और विधानमंडल में वर्षों बिताए। हरियाणा में नायब सिंह सैनी एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और राजस्थान में भजन लाल शर्मा वर्षों तक निर्वाचन क्षेत्र में काम करके और पार्टी की जिम्मेदारी निभाकर आगे बढ़े। इनमें से किसी को भी राजनीतिक पद विरासत में नहीं मिला। इनमें से प्रत्येक इस बात के उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि एक योग्यता-आधारित पार्टी में नेतृत्व कैसे अर्जित किया जा सकता है।

भाजपा का संसदीय और सरकार में रहने का अनुभव भी पहुंच और प्रभुत्व के बीच के अंतर को दर्शाता है। कई युवा नेताओं को दृश्यता और जिम्मेदारी दी जाती है, लेकिन उनका मूल्यांकन उनके काम के आधार पर किया जाता है। मंत्रियों का मूल्यांकन परिणामों, सुधारों और जन संवाद के आधार पर किया जाता है। पार्टी के पद समयबद्ध और प्रदर्शन से जुड़े होते हैं। इससे त्रुटि या महत्वाकांक्षा समाप्त नहीं होती और न ही कोई भी संस्था ऐसा कर सकती है। लेकिन यह कवायद ऐसे प्रोत्साहन पैदा करती है, जो वंशावली की तुलना में योग्यता को प्राथमिकता देते हैं।

इसके उलट, वंशानुगत पार्टियां नए प्रयोगों को आजमाने में जूझती हैं क्योंकि वहां उत्तराधिकार पूर्वनिर्धारित होता है। वहां प्रतिभाएं अपने उत्तराधिकारी की रक्षा करने की जरूरत के बोझ से घिरी रहती हैं। पारिवारिक परंपरा के विरोधाभास के डर से आंतरिक बहस मंद पड़ जाती है। संगठनात्मक नेटवर्क प्रशासकों और विधायकों के बजाय दरबारियों और दलालों के इर्द-गिर्द घूमने लगते हैं। इसका नतीजा न केवल राजनीतिक गतिरोध में होता है, बल्कि जनता के विश्वास का भी क्षरण होता है। मतदाता अंततः अर्जित नेतृत्व और हस्तांतरित नेतृत्व के बीच के अंतर को पहचान लेते हैं।

इतिहास को स्वीकार करना जरूरी होता है। कांग्रेस ने राष्ट्रीय कल्पना में राजनीतिक विरासत को आम बात बना दिया। वाईएसआर कांग्रेस और बीआरएस से लेकर तृणमूल तक, कई क्षेत्रीय वंशवादी संगठन कांग्रेस की ही शाखाएं हैं और उन्होंने उसके वंशानुगत ढांचे की नकल की है। दशकों से इस संस्कृति ने राजनीतिक दलों को ऐसे पारिवारिक उद्यमों में बदल दिया है, जहां विचारधारा की जगह निष्ठा ने ले ली और नेतृत्व के विकास की जगह उत्तराधिकार के नियोजन ने ले ली। यह मॉडल कुछ समय तक चुनावी सफलता तो दिला सकता है, लेकिन यह शायद ही कभी टिकाऊ संस्थाओं या सक्षम नेताओं की एक व्यापक श्रृंखला का निर्माण कर पाता है।

आलोचक कभी-कभी यह पूछते हैं कि क्या भाजपा पूरी तरह से वंशवादी हस्तियों से मुक्त है। इसका ईमानदार जवाब यह है कि ऐसा नहीं है और न ही कोई भी बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी ऐसी हो सकती है। लेकिन प्रासंगिक सवाल कुछ दूसरा है। क्या ऐसे व्यक्ति केवल अपने वंश की बदौलत ही पदों पर आसीन होते हैं या उन्होंने फिर निरंतर कार्य करके संगठन और मतदाताओं का विश्वास अर्जित किया है। भाजपा का रिकॉर्ड दर्शाता है कि पारिवारिक पृष्ठभूमि एक जीवनी संबंधी तथ्य हो सकती है, लेकिन यह योग्यता का पर्याप्त प्रमाण नहीं है। नेतृत्व का रास्ता सभी के लिए एक जैसा ही है - कार्यकर्ता से नेता, कार्यकर्ता से प्रतिनिधि, प्रतिनिधि से मंत्री और हर कदम प्रदर्शन के जरिए ही अर्जित किया जाता है।

यह अंतर अपने सामाजिक और भौगोलिक आधार का विस्तार करने की भाजपा की क्षमता को भी दर्शाता है। एक योग्यता-आधारित पार्टी नए समुदायों और क्षेत्रों का समावेश कर सकती है क्योंकि वह भागीदारी के ऐसे रास्ते प्रदान करती है, जो किसी परिवार से निकटता पर निर्भर नहीं होते। वह स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान कर सकती है, उन्हें जिम्मेदारी दे सकती है और उनके परिणामों को पुरस्कृत कर सकती है। इस तरह ही एक पार्टी स्थानीय वास्तविकताओं में निहित रहते हुए राष्ट्रीय चरित्र हासिल करती है। इसी तरह ही एक पार्टी ऐसे नेताओं के जरिए विचारधारा को शासन में परिवर्तित करती है, जिन्हें केवल विरासत में पाने के बजाय कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया गया होता है।

मतदाता इस अंतर को पहचान चुके हैं। मतदाता नाम से प्रभावित नहीं होते। वे नेताओं का मूल्यांकन उनके वंश से नहीं, बल्कि उनके कार्यों से करते हैं। वे जनसेवा से अर्जित वैधता और वंश-परंपरा से प्राप्त अधिकार के बीच का अंतर समझते हैं। इसीलिए वंशवादी राजनीति से संबंधित बहस को केवल आंकड़ों के खेल के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। गंभीर मुद्दा नेतृत्व की संस्कृति का है। क्या कोई पार्टी सेवा और योग्यता को पुरस्कृत करती है या फिर किसी परिवार से जुड़ाव को। इस कसौटी पर भाजपा की खूबी बिल्कुल साफ नजर आती है।

इंडियन एक्सप्रेस के लेख में यह पूछा गया कि भारत की कौन सी पार्टियां परिवारों द्वारा संचालित हैं। लेकिन इससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उनमें से कौन सी पार्टी परिवार द्वारा संचालित नहीं हैं। भाजपा उन चंद पार्टियों में से एक है जहां नेतृत्व विरासत में नहीं मिलता, केवल अर्जित किया जाता है। पार्टी में विभिन्न पृष्ठभूमि के नेता आते रहेंगे, जिनमें वे भी शामिल होंगे जिनके रिश्तेदार सार्वजनिक जीवन में हैं, लेकिन उन्नति की शर्तें सभी के लिए एक जैसी ही होंगी। कड़ी मेहनत कीजिए, विश्वास अर्जित कीजिए, परिणाम दीजिए और लोगों को आश्वस्त कीजिए। लोकतंत्र में इसके अलावा और कोई स्थायी रास्ता नहीं है।

भारत का लोकतंत्र एक मौन बदलाव के दौर से गुजर रहा है। नागरिक वंशावली के बजाय योग्यता से शासित होने के अपने अधिकार पर जोर दे रहे हैं। जैसे-जैसे नेतृत्व अधिक जवाबदेह होता जा रहा है, संस्थाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है। राजनीति विरासत से कम और सेवाभाव से अधिक प्रभावित दिखने लगी है। यह यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है और कभी होगी भी नहीं। हर पीढ़ी को इसे नवीनीकृत करते रहना होगा। लेकिन दिशा बिल्कुल स्पष्ट है। योग्यता मायने रखती है। प्रदर्शन मायने रखता है। जनता सबसे अधिक मायने रखती है।

इस मायने में, भाजपा एक अनूठी पार्टी है। इसलिए नहीं कि वह पूर्णता का दावा करती है, बल्कि इसलिए कि उसने एक ऐसी संस्कृति विकसित की है जो नेतृत्व अर्जित करने पर जोर देती है। भारत के सार्वजनिक जीवन में यही वह खूबी है जिसे बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि यह सत्ता को जवाबदेही से और महत्वाकांक्षा को सेवा से जोड़ती है। **यह निजी विचार है।**

दिल्ली के अतिरिक्त, अन्य प्रमुख शहरों में भी आरआरटीएस जैसी परिवहन प्रणालियां विकसित की जाएंगी : श्री मनोहर लाल

गुरुग्राम में 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन और प्रदर्शनी 2025 का उद्घाटन

एजेंसी । केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य और विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने आज हरियाणा के गुरुग्राम में अर्बन मोबिलिटी इंडिया (यूएमआई) सम्मेलन और प्रदर्शनी 2025 के 18वें संस्करण का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र में आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, आवास एवं शहरी कार्य सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला, हरियाणा सरकार के अपर मुख्य सचिव (परिवहन) डॉ. राजा शेखर वुंडरू और जीएमआरएल के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रशेखर खरे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, मेट्रो रेल कंपनियों के प्रबंध निदेशक, परिवहन उपक्रमों के प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्?सा लिया। इस वर्ष के सम्मेलन में 1600 से अधिक प्रोफेशनल और शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय और हरियाणा सरकार द्वारा शहरी परिवहन संस्थान (भारत) और गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के माध्यम से संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। 2025 का संस्करण 'शहरी विकास और गतिशीलता संबंध' विषय पर केंद्रित है, जो शहरी नियोजन और गतिशीलता प्रणालियों के बीच अंतर्संबंधों और आर्थिक विकास, पर्यावरणगत स्थिरता, सामाजिक समानता और जन स्वास्थ्य पर उनके सामूहिक प्रभाव को रेखांकित करता है।

श्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं और भारत के मोबिलिटी के इकोसिस्?टम को आकार देने में यूएमआई सम्मेलन के योगदान की सराहना की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि लगभग 1,100 किलोमीटर के प्रचालनगत मेट्रो नेटवर्क के साथ, भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है और शीघ्र ही दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा का उल्लेख करते हुए श्री मनोहर लाल ने छोटे शहरों में 10,000 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की घोषणा की, जिनमें से 100 ई-बसें गुरुग्राम के लिए निर्दिष्ट की गई हैं। श्री मनोहर लाल ने बताया कि मेट्रो यात्रियों की संख्या में सुधार के लिए अंतिम-मील कनेक्टिविटी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है और आश्वासन दिया कि मंत्रालय इस संबंध में प्रभावी उपायों को लागू करने के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम करेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अपनी सहायक कंपनी - दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड के माध्यम से - भारत और विदेशों में परामर्श, निर्माण, टर्नकी परियोजनाओं, प्रबंधन सेवाओं और संचालन एवं रखरखाव संबंधी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

उन्होंने कहा कि यह भी निर्णय लिया गया है कि डीएमआरसी अपनी एक अन्य सहायक कंपनी के माध्यम से देश भर में मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) की योजना, समन्वय और प्रबंधन में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को सहयोग देने के लिए एक नोडल संगठन के रूप में कार्य करेगी।

श्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि आरआरटीएस जैसी परिवहन प्रणालियां अन्य प्रमुख शहरों में भी विकसित की जाएंगी। आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने इस अवसर पर कहा कि मोबिलिटी केवल परिवहन का एक साधन नहीं है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास का भी प्रेरक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) जैसी पहल शहरी गतिशीलता में बदलाव ला रही हैं और पूरे भारत में यात्रियों के अनुभव को बेहतर बना रही हैं।

आवास एवं शहरी कार्य सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला ने अपने संबोधन में भारतीय शहरों की जीवन-क्षमता और स्थिरता को बढ़ाने के लिए एकीकृत शहरी विकास और गतिशीलता योजना के महत्व पर बल दिया। सम्मेलन में भारत में भविष्य के लिए तैयार, समावेशी और टिकाऊ शहरी गतिशीलता प्रणालियों के निर्माण के लिए नवोन्मेषणों और नीतिगत ढांचों पर केंद्रित पूर्ण सत्र, पैनल चर्चाएं और तकनीकी प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

श्री मनोहर लाल ने अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2025 में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और सीएनजी से परिवर्तित एक रेट्रोफिटेड इलेक्ट्रिक ऑटो में सवारी की। यह पहल टिकाऊ और समावेशी शहरी परिवहन में भारतीय नवोन्?मेषण को रेखांकित करती है।

राजभवन में ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पर सामूहिक गायन

प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया

रायपुर, लोकशक्ति

भारत के राष्ट्रीय गीत ÷वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज राजभवन, रायपुर में भावपूर्ण सामूहिक गायन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नई दिल्ली से किया गया, जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस ऐतिहासिक आयोजन का शुभारंभ किया। राजभवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और एक स्वर में ÷वंदे मातरम÷ का सामूहिक गायन किया। राजभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने राष्ट्रीय भावना और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना के साथ राष्ट्रीय गीत का सामूहिक रूप से गायन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना जागरूकता शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

लोकशक्ति

जांजगीर-चांपा में आयोजित उद्योग आउटरीच बैठक एवं प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PMVBRY) जागरूकता शिविर सफ्लतापूर्वक सम्पन्न।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO), क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 7 नवम्बर, 2025 को जांजगीर-चांपा जिले के उद्योग संघों एवं नियोक्ताओं की उपस्थिति में एक विशेष उद्योग आउटरीच बैठक एवं प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PMVBRY) जागरूकता शिविर का आयोजन मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज, चांपा (Sunrise हॉल) में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जयवदन इंगले, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I, रायपुर द्वारा की गई। सत्र में उपस्थित नियोक्ताओं एवं उद्योग प्रतिनिधियों को PMVBRY योजना के लाभों तथा ईपीएफओ की डिजिटल सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PMVBRY) के तहत नए रोजगार सृजन को प्रोत्साहन तथा नियोक्ताओं और कर्मचारियों – दोनों को प्रोत्साहन लाभ प्रदान होंगे/साथ ही, EmployeesÓ Enrolment Campaign (EEC) के अंतर्गत पूर्व में अपंजीकृत कर्मचारियों को पंजीकृत कर सामाजिक सुरक्षा लाभों के दायरे में लाने की पहल की जा रही है, जिसकी जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। इस अवसर पर कोसा सिल्क, इस्पात, निर्माण एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों एवं नियोक्ताओं की उल्लेखनीय संख्या में सहभागिता रही। बैठक के पश्चात कोसा सिल्क उत्पादन इकाई का भ्रमण कर श्रमिकों को भविष्य निधि से संबंधित जानकारी दी गई तथा उत्पादन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली को जाना गया। यह आयोजन उद्योग जगत और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के मध्य संपर्क एवं विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

जिला भाजपा कार्यालय में विशेष गहन पुनर्निरीक्षण अभियान पर हुई कार्यशाला

संवाददाता

राजनांदगांव, भाजपा कार्यालय में आज सभी 16 मंडलों के अध्यक्ष महामंत्रियों की आवश्यक कार्यशाला आहूत की गई, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा देश भर में चल रहे एस आई आर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी गई।

बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची सटीक और विश्वसनीय बनाने हेतु देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू किया गया है जिसके तहत पुरानी मतदाता सूचियां में मृत व्यक्तियों के नाम काटने, स्थाई रूप से निवास बदलने वालों का नाम हटाना, किसी मतदाता का दो स्थान पर पंजीकरण को निरस्त करना, फर्जी मतदाताओं का नाम हटाना और शुद्ध व स्वच्छ पारदर्शी मतदाता सूची का निर्माण करने हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है।

वंदे मातरम गान से शुरू हुई कार्यशाला

सरदार वल्लभभाई पटेल एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर स्मरण करते हुए वंदेमातरम गान के पश्चात बैठक का शुभारंभ किया गया।

बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता सचिन बघेल ने बताया कि इस अभियान में भाजपा बी एल ए 1 एवं क्क्रु 2 कार्यकर्ताओं को इस अभियान में नियोजित करने जा रही है, इस हेतु राष्ट्रीय महामंत्री शिव प्रकाश जी ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में सभी जिलाध्यक्ष की बैठक लेकर मार्गदर्शन दिया था।

जिसके तहत आज जिले स्तर पर मंडल अध्यक्षों की बैठक आहूत की गई और क्क्रु 1 तथा क्क्रु 2 के मंडल स्तर पर प्रशिक्षण देने हेतु प्रभारी बनाए गए।

जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने बताया कि सभी प्रभारियों द्वारा मंडल स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें क्क्रु कार्यकर्ताओं को इस अभियान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। श्री राजपूत ने सभी कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से आह्वान किया कि आपका वोट आपका अधिकार है, जागरूक मतदाता बने और परीगणना फॉर्म भरकर अपने बीएलओ को जमा कराएं,तथा अपने परिवार व आसपास के लोगों तक इस सूचना को पहुंचाए । दस्तावेज तैयार करने के लिए प्रेरित करें,जिससे पारदर्शी मतदाता सूची का निर्माण हो सके।

बैठक का सफ्ल संचालन महामंत्री डीकेश साहू एवं आभार प्रदर्शन लक्की भाटिया ने किया।

बैठक में प्रमुख रूप से सचिन बघेल, सावन वर्मा,डीकेश साहू, तरुण लहरवानी, लक्की भाटिया,रामकुमार गुप्ता, देव कुमारी साहू, रविंद्र वैष्णव, नीलकंठ गड़े,, मुकेश बघेल गुलशन हिरवानी, जैन मेश्राम,किरण बारले सहित सभी मंडलों के अध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित थे।

वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पर छत्तीसगढ़ सिख समाज ने गाया देशभक्ति का स्वर

रायपुर : वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा एक भावनात्मक और देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से ÷वंदे मातरम÷ गीत गाकर भारत माता को नमन किया। कार्यक्रम में समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने कहा कि ÷वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारी मातृभूमि के प्रति समर्पण और त्याग की भावना का प्रतीक है। सिख गुरुओं ने सदैव धर्म, देश और मानवता की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया। आज वंदे मातरम गाकर हम उसी परंपरा को श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं।÷ समाज के अन्य वक्ताओं ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी और गुरु गोविंद सिंह जी के बलिदानों से प्रेरणा लेते हुए सिख समाज ने सदैव राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए योगदान दिया है।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने राष्ट्र की समृद्धि, शांति और भाईचारे की प्रार्थना की। पूरे वातावरण में ÷वंदे मातरम÷ वंदे मातरम भारत माता की जय के नारे लगे और ÷वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फ्तेह÷ के जयकारे गूंज उठे।

आंजनेय यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों की राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि

एजेंसी

रायपुर । आंजनेय यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन के अंतर्गत आयोजित IDEA-ONEÑ National One Health Hackathon 2025 में विश्वविद्यालय की दो टीमों का चयन हुआ है। इनमें से टीम "Mediconnect" को सेंट्रल ज़ोन का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्रैंड फिनाले के लिए नई दिल्ली में 20 नवम्बर 2025 को आयोजित होने वाले अंतिम चरण में आमंत्रित किया गया है। टीम में शिवांक पांडे (टीम लीडर), बी.टेक. तृतीय सेमेस्टर (CSE–AI), चिराग कश्यप (को-लीडर), बी.टेक. तृतीय सेमेस्टर (CSE–AI), शबाना यास्मिन, बी.टेक. तृतीय सेमेस्टर (CSE–AI), नोमिता हिरवानी, बी.टेक. तृतीय सेमेस्टर (CSE–AI), एशिता भावे, बी.फार्मा तृतीय सेमेस्टर शामिल हैं।

यह हैकथॉन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा संचालित राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन (National One Health Mission) की एक पहल है, जिसका उद्देश्य मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को एकीकृत करना तथा बहुआयामी तकनीकी एवं सामुदायिक समाधान विकसित करना है। आंजनेय यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ टी रामाराव ने चयनित टीम को इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय को गर्व है कि उसके विद्यार्थी देश के स्वास्थ्य सुरक्षा के इस नवाचार अभियान में योगदान दे रहे हैं।

टीम का मार्गदर्शन अंजु पांडे, सहायक प्राध्यापक तथा श्री लक्ष्य नमदेव, सहायक प्राध्यापक, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग ने किया।

अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक गायन के साथ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित करने वाले राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के प्रति हार्दिक सम्मान व्यक्त किया

लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती :

राहौद से शिवरीनारायण तक निकाली गई पदयात्रा

जांजगीर-चांपा / पूरे देश में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आज सांसद जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े की मुख्य आतिथ्य में नगर पंचायत राहौद से नगर पंचायत शिवरीनारायण तक यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया।

जिसके तहत राहौद बुंदेला चौक से धरदेई, लोहर्सी, खरौद होते हुए शिवरीनारायण अटल परिसर तक पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान ग्राम धरदेई में आयोजित कार्यक्रम में सांसद, जनप्रतिनिधियों द्वारा सांसद खेल महोत्सव के खिलाड़ियों, लखपति दीदी, स्वच्छता हितग्राही दीदी, गौसेवकों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही गार्बेज फ्री शिवरीनारायण के तहत स्वच्छता दीदियों को स्वच्छता कीट वितरण की गई। सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े एवं जनप्रतिनिधियों ने शिवरीनारायण स्थित अटल चौक पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही शिवरीनारायण एवं राहौद में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया।

यूनिटी मार्च के दौरान सांसद श्री कमलेश जांगड़े ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित यह यूनिटी मार्च पूरे देश में एकता, अखंडता और विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास है। सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने जिस प्रकार देश को एक सूत्र में पिरोया, उसी भावना के साथ हम सबको आगे बढ़ना है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हमारे लिए गर्व और प्रेरणा का दिन है। पूरे देश में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। सरदार पटेल भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी थे, उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के लिए बिताया। आज़ादी के बाद उन्होंने अपनी अद्भुत राजनीतिक कुशलता और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को अखंड राष्ट्र बनाया। उनकी निर्णय लेने की क्षमता, दूरदृष्टि और राष्ट्र के प्रति समर्पण ने उन्हें सच्चे अर्थों में लौह पुरुष बना दिया। देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता को सशक्त करने में उनका योगदान अमूल्य है।

जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी ने कहा कि हम सबको यह जानना चाहिए कि किस तरह से हमें आजादी मिली है। उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस श्रद्धा से उन्होंने अपने कर्म और समर्पण से एक उदाहरण प्रस्तुत किया उनके अथक प्रयासों का प्रतिरूप आज हम सबके सामने है। उन्होंने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने जिस एकता के सूत्र में पूरे देश को पिरोया, वही प्रेरणा आज हमें भी लेनी चाहिए। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि आप सभी अपने-अपने क्षेत्र में अच्छा कार्य करें, समाज का नाम रोशन करें, और विकास की गति को आगे बढ़ाएं ताकि हमारा राज्य और हमारा देश नई ऊंचाइयों को छुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि भारत माता के सपूत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों में बंटे देश को एक सूत्र में बांधने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके जीवन के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि यदि सरदार पटेल न होते, तो आज भारत का नक्शा वैसा नहीं होता जैसा हम देखते हैं। उनका योगदान भारत को एक सशक्त और अखंड राष्ट्र बनाने में अमूल्य रहा है। पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले ने कहा कि पूरा देश में हर घर में सरदार पटेल जी बात पहुंचे। देश की स्वतंत्रता और एकता के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी। हम साथ चलेंगे साथ रहेंगे और साथ विकास करेंगे। साथ ही कार्यक्रम को अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, श्री गुलाब चंदेल, श्री अमर सुलतानिया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नंदनी रजवाड़े, श्री नरेंद्र कौशिक, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय, वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे, उप निर्देशक मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार बिलासपुर संभाग डॉ दिनेश यादव, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रात्रि में घर अंदर घूसकर चोरी करने वाले दो आरोपियों को बलौदा पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / रात्री में घर अंदर घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो चोर को बलौदा पुलिस ने पकड़ा है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी सतीश कुमार देवांगन निवासी देवागन मुहल्ला बलौदा आज दिनांक 7 नवंबर 2025 को थाना बलौदा उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 5 नवंबर 25 को रात्रि करीबन 1:45 बजे प्रार्थी की लडकी अचानक चोर-चोर चिल्लाने लगी जिसे सूनकर सभी जाग गये तब देखे की एक अज्ञात व्यक्ति उपर सीढी में चढते हुए छत से कुदकर भाग गये । उसके साथ एक और व्यक्ति घर के बाहर खडा था वह भी उसके साथ भाग गए जिसका पीछा करने घर के बाहर निकले और आसपास देखे कुछ पता नही चला । वापस घर आकर देखे तो पेंट में रखे 10 हजार रूपया तथा पर्स में रखा 12हजार रुपया चोरी हो गया था । उक्त सूचना रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 440/25 धारा 331(4),305(ए),3(5) भा.न्या.सं. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान घटना स्थल निरीक्षण प्रार्थी गवाहों के कथनानुसार आसपास पतासाजी करने एवं सीसीटीवी के अवलोकन व मुखबिर सूचना के आधार पर रात्रि में आसपास घूमते पाये गये संदेहीयों करण गोंड एवं प्रदीप यादव का पहचान कर पता तलाश किये जिससे घटना के संबंध में पुछताछ किया गया जो रात्रि में छत से घर अंदर घूसकर चोरी करना स्वीकार किये है । आरोपीयों से चोरी किये रकम को खर्च करना जिसमें से बकाया 3 हजार नगदी जप्त किया गया । आरोपीगणों के विरूद्ध अपराध धारा सदर का पर्याप्त सबूत पाये जाने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, मुकेश यादव, प्र.आर. गजाधर पाटनवार, आर0 दीपक कष्यप, ईष्वरी राठौर एवं थाना बलौदा स्टाफ शामिल रहे ।

धारदार हथियार लहराकर आने जाने वालो को डराने वाला आरोपी चढ़ा चांपा पुलिस के हत्थे

आरोपी के कब्जे से एक तलवारनुमा चाकू बरामद

जांजगीर चांपा / धारदार हथियार लहराकर राहगीरों को डराने वाला आरोपी चांपा पुलिस के हत्थे चढ़ा है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना चाम्पा से पुलिस टीम थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग हेतु रवाना किया गया था । इस दौरान पेट्रोलिग पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ कि नया बस स्टैंड में एक व्यक्ति धारदार हथियार लेकर मारने दौड़ा रहा है और आने जाने वाले लोगों को हथियार लहरा कर डरा रहा है । उक्त सूचना से जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, एसडीओपी चाम्पा यदुमनी सिदार को दिया गया , जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल आरोपी की धरपकड़कर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश प्राप्त हुए । इस पर थाना प्रभारी जेपी गुप्ता के मार्गदर्शन में तत्काल टीम मौके की ओर रवाना किया गया । टीम के द्वारा नया बस स्टैंड से एक व्यक्ति को पकड़ा गया जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम रघुबीर सिदार निवासी जगदल्ला बताया जिसके कब्जे से एक तलवारनुमा चाकू जप्त किया गया । आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की कार्यवाही किया गया एवं आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उपरोक्त कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चापा, सहायक उपनिरीक्षक अरुण सिंह , आरक्षक आकाश कालोसिया, शंकर राजपूत शामिल रहे ।

जिले के सभी शासकीय कार्यालयों, स्कूलों एवं महाविद्यालयों में आयोजन

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष ग्राम लोहर्सी में जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ

जांजगीर-चांपा / राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज देश एवं प्रदेश के साथ जिले के सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतों में सामूहिक राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया। जिले के पामगढ़ विकासखंड के ग्राम लोहर्सी में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजन हुआ।

इस अवसर पर जांजगीर-चांपा लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, श्री जगन्नाथ पाणिग्रही, श्री गुलाब चंदेल, श्री अमर सुलतानिया, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय, वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यकम का शुभारंभ देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय गीत के पंक्तियों की भावार्थ से देश वासियों को अवगत कराया। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 150 रूपए का सिक्का तथा डाक टिकट जारी किया गया। जिले में कलेक्टोरेट सहित समस्त कार्यालयों में अधिकारी कर्मचारियों ने सामूहिक राष्ट्रीय गीत गायन किये और दिल्ली से लाईव प्रसारित कार्यक्रम को देखा। कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भारत सरकार के संस्कृति मार्ग-दर्शन में इस ऐतिहासिक पर्व को वर्ष भर चलने वाले महा अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी यह आयोजन जन भागीदारी के साथ चार चरणों में ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक भव्य रूप में संपन्न किया जाएगा। प्रथम चरण 07 से 14 नवंबर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026, तृतीय चरण 07 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) और चतुर्थ चरण 1 से 7 नवंबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान राज्य के सभी जिलों, जनपदों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों एवं सामाजिक संगठनों में राष्ट्रीय गीत के सामुहिक गायन के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

जनजातीय बोली संरक्षण हेतु देश का पहला एआई आधारित आदिवाणी ऐप का शुभारंभ

जांजगीर-चांपा / भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जनजातीय बोलियों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत एआई बेस्ड ट्रांसलेशन टूल का निर्माण किया गया है जिसे आदिवाणी नाम दिया गया है।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि जिसके प्रथम चरण में देश के 04 प्रमुख जनजातीय बोलियों जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के गोडी, मध्यप्रदेश के भीली. झारखंड के मुडारी एवं ओडिसा राज्य के संथाली बोली को शामिल किया गया है। यह भारत का पहला एआई बेस्ड ट्रांसलेशन ऐप है। जिसमें जनजातीय भाषा, बोलियों में अनुवाद कार्य किया जा सकता है जो कि जनजातीय भाषाओं, बोलियों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा एवं विलुप्त हो रही जनजातीय बोलियों को संरक्षित कर उसके प्रचार-प्रसार के लिये बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

उन्होंने सर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सर्व प्राचार्य शासकीय, अशासकीय महावि., डाइट, आईटीआई से आदिवाणी ऐप का समस्त शैक्षणिक सस्थानों, शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय संस्थानो जनजातीय जनप्रतिनिधियो के माध्यम से आदिवाणी ऐप लिंक का प्रचार-प्रसार करने कहा है।

वंदे मातरम गीत के 150 वर्षगांठ पर कात्रेनगर में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

जांजगीर चांपा। राष्ट्रीय गीत ÷वंदे मातरम÷ की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर समाज कल्याण विभाग के निर्देशानुसार भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, कात्रेनगर चांपा द्वारा सामूहिक गायन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों, विद्यार्थियों और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में ÷वंदे मातरम÷ का गायन कर राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक एकता का अद्भुत वातावरण निर्मित किया।

कार्यक्रम के दौरान नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय वंदे मातरम गायन समारोह का सीधा प्रसारण भी देखा गया। उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश सुना और राष्ट्रीय गीत के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया।

इस अवसर पर संस्था प्रमुख श्री सुधीर देव, श्री लोमसराम साहू, सुशील विद्या मंदिर के आचार्य एवं विद्यार्थी, कौशल विकास केन्द्र के शिक्षार्थी तथा भारतीय कुष्ठ निवारक संघ के कार्यकर्ता गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सामूहिक गायन के माध्यम से सभी ने भारत माता के प्रति अपनी अटूट निष्ठा, एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके पश्चात सभी ने ÷भारत माता की जय÷ और ÷वंदे मातरम÷ के उद्घोष से वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

ग्राम कमालूर की सुनिता बनी संघर्ष और आत्मनिर्भरता की मिसाल

एजेंसी

दंतेवाड़ा, ग्राम कमालुर (20 किमी दूरी) की निवासी सुनिता, जिनके पति मड़कू की नक्सलियों द्वारा निर्मम हत्या कर दी गई थी, आज अपने साहस और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद सुनिता ने हार नहीं मानी और अपने एकमात्र बेटे के भविष्य के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका बेटा, जो सुनने और बोलने में असमर्थ है, वर्तमान में सक्षम विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। सुनिता ने सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन को एक नई दिशा दी है। उन्हें विधवा पेंशन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, महतारी योजना, बस पास, मनरेगा से मुर्गी शेड और शौचालय निर्माण जैसी सुविधाओं का लाभ प्राप्त हुआ है। इन योजनाओं ने न केवल उनके जीवन स्तर को सुधारा है बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त भी बनाया है। हाल ही में राज्य की रजत जयंती समारोह के अवसर पर सुनिता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर भी मिला। यह पल उनके संघर्ष और दृढ़ इच्छाशक्ति की पहचान बन गया। आज सुनिता अपने गाँव में एक प्रेरणा बन चुकी हैं कृ जो बताती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, हौसला और आत्मविश्वास से हर संघर्ष जीता जा सकता है।

छुईखदान पुलिस की बड़ी कार्रवाई : नकली पुलिस बनकर ठगी करने वाला आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

छुईखदान (संवाददाता)।

थाना छुईखदान पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नकली पुलिस बनकर ठगी करने वाले आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस एवं सायबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आरोपी ने कई क्षेत्रों में पुलिस वर्दी पहनकर लोगों को ठगने का जुर्म कबूल किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम छिंदारी निवासी सुखउ राम नेताम पिता समलाल नेताम (उम्र 55 वर्ष) ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके रिश्तेदार धनेश्वर नेताम से पुलिस में नौकरी लगवाने के नाम पर गुप्तेश्वर तिवारी उर्फ जी.पी. पांडे, पिता स्व. प्रकाश तिवारी, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम चंगुर्दा, थाना गातापार, जिला केसीजी (छ.ग.) ने ?1,06,000/- की ठगी की है।

शिकायत पर तत्काल अपराध पंजीबद्ध करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने सायबर सेल की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने थाना बोरतालाब (राजनांदगांव) और थाना मोहगांव क्षेत्र में भी पुलिस वर्दी पहनकर धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से खाकी वर्दी, कॉम्बैड वर्दी (G.P. Tiwari नाम प्लेट सहित), नीले रंग का लेनयार्ड, छ.ग. पुलिस मोनो वाला बेल्ट, तीन-तीन स्टार वाले कॉम्बैड फ्लैप्स, एंड्रॉयड मोबाइल और नकद राशि जब्त की है। छुईखदान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर उपजेल सलोनी भेजा गया।

खास खबर

हसदेव नदी में कार्तिक स्नान के दौरान 12 वर्षीय छात्र की डूबकर मृत्यु

कोरबा नगर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी बस्ती स्थित करण घाट में 5 नवंबर की सुबह एक दुखखद घटना घटी। 12 वर्षीय निखिल जायसवाल अपने दो मित्रों संग हसदेव नदी में कार्तिक स्नान कर रहा था, तभी वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। जानकारी के अनुसार निखिल और उसके मित्र हसदेव नदी में चुंबक की मदद से पैसे खोजने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान निखिल गहरे पानी में चला गया। उसे तैरना नहीं आता था। घटना के समय उसके साथ मौजूद दोनों मित्र घबरा कर मौके से भाग गए और घर जाकर परिजनों को सूचना दी।भीड़ और पुलिस के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने निखिल का शव नदी से बाहर निकाल लिया। कोतवाली थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेजा और परिजनों के बयान दर्ज किए।

बताया जा रहा है की मृतक निखिल कक्षा 6वीं का छात्र था। उसके पिता एक निजी कंपनी में ठेका कर्मी हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार में कोरबा जनसंपर्क विभाग अव्वल

जनसंपर्क आयुक्त रवि मित्तल ने की सराहना

कोरबा।

राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकासपरक कार्यों के प्रभावी प्रचार-प्रसार में जिला जनसंपर्क कार्यालय कोरबा ने प्रदेशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर संचालनालय स्तर से प्राप्त रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया कि कोरबा जिले ने सक्सेस स्टोरी और जियोग्राफिकल कवरेज के क्षेत्र में अन्य जिलों की तुलना में दोगुनी उपलब्धि हासिल की है।

जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा राज्य शासन की योजनाओं से जुड़ी प्रेरक सफलता की कहानियों, विकास कार्यों और जनहितकारी पहलुओं को आमजन तक पहुँचाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। इस उपलब्धि के लिए जनसंपर्क आयुक्त श्री रवि मित्तल ने विभाग की सराहना करते हुए जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री कमलज्योति को प्रशस्ति पत्र प्रेषित किया है।

राज्य स्तरीय अधिकारियों ने कहा कि कोरबा जिले की जनसंपर्क टीम ने जिस तत्परता और रचनात्मकता से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया है, वह अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्रोत है। निरंतर नवाचार और जनसंपर्क के आधुनिक माध्यमों के प्रभावी उपयोग से विभाग ने अपनी कार्यकुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

ओजपूर्ण काव्य, मधुर सुर और थिरकते लोकनृत्य ने बढ़ाई समापन समारोह की शोभा

जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को प्रतीकचिह्न और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा और कलात्मक अभिव्यक्ति ने जीता दर्शकों का दिल

कोरबा संवाददाता। छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नगर के हृदय स्थल डॉ. भीमराव अम्बेडकर ओपन ऑडिटोरियम कोरबा में तीन दिवसीय राज्योत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कैबिनेट मंत्री देवांगन ने राज्योत्सव 2025 के समापन अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हुआ है। हमारा प्रदेश बुलंदियों की नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। उन्होंने राज्य निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को याद करते हुए कहा कि 25 वर्ष पूर्व उनके सहयोग से राज्य का निर्माण हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में राज्य का तीव्र गति से विकास हो रहा है। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में गरीब, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं समेत सभी वर्ग के हित के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। सभी वर्गों के लोग इसका लाभ उठा रहे हैं और राज्य के विकास में अपना अहम योगदान भी दे रहे हैं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राज्योत्सव पर राज्य को अनेकों विकास कार्यों की सौगात दी है। उनके द्वारा नए विधान सभा भवन का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने विकास कार्यों के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि राज्य में मोदी की गारंटी को पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बनते ही प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास हेतु राशि जारी की गई है। किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल एवं 21 क्विंटल प्रति एकड़ के दर से धान की खरीदी की जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण 5500 रूपए मानक बोरा कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जिला खनिज संस्थान न्यास का सदुपयोग जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु किया जा रहा है। जिससे जिला में भी विकास कार्य तेजी से हो रहा है। उन्होंने आमजनो को योजनाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए राज्योत्सव स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल में जाकर विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास में नागरिकों को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु प्रेरित करते हुए सभी को राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय एवं कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन के निर्देशन में जिले में शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। अधिकारी-कर्मचारी की सहभागिता से योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव में विभागीय स्टॉलों के माध्यम से शासकीय योजनाओं के प्रगति की प्रदर्शनी लगाई गई है। जिसका अवलोकन कर आमजन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ ले सकते है। उन्होंने जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए छत्तीसगढ़ को बेहतर और नई ऊंचाइयों में पहुचाने हेतु निरंतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री देवांगन द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों को प्रतीकचिह्न, प्रशस्ति पत्र एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। जिनमें कबड्डी की खिलाड़ी सुश्री संजू देवी यादव, श्री मूलचंद मारको, कीक बॉक्सिंग खिलाड़ी श्रीमती तब्बसूम सय्यद, श्री तारकेश मिश्रा, तैराकी की सुश्री भूमि गुप्ता, कराटे व जू- जित्सू की सुश्री स्नेहा बंजारे, तीरंदाजी के श्री युवराज यादव, बैडमिंटन के श्री हर्षित ठाकुर, शतरंज के श्री प्रभमन सिंह मल्होत्रा एवं क्रिकेट के श्री सत्यम दुबे शामिल है। सभी ने अपने-अपने खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कर न केवल जिले, बल्कि प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है।

राज्योत्सव में जनसंवाद के माध्यम से बढ़ी शासकीय योजनाओं की पहुँच और समझें

शासकीय योजनांतर्गत हितग्राहियों को सामग्री एवं चेक वितरित किए गए

विकास के बहुआयामी स्वरूप को प्रदर्शित करती विभागीय झांकियों ने सबका ध्यान आकर्षित किया

कोरबा नगर के हृदय स्थल घंटाघर ओपन थियेटर मैदान में आयोजित हुए राज्योत्सव में शासकीय विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं के स्टॉल और विकासात्मक कार्यों की आकर्षक झांकियाँ लगाई गई, जहां आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कैबिनेट मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने सभी विभागीय स्टॉल और झांकियों का अवलोकन कर विकास कार्यों की जानकारी ली एवं हितग्राहियों के प्रति उत्साहवर्धन किया।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कृषि यंत्र थ्रेसर, ड्रोन छिड़काव, शाकम्भरी योजना के पंप, सुगंधित चावल, गेहूं और जैविक कृषि उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने विभाग में संचालित कृषि यांत्रिकीकरण सब्मिशन योजना के तहत ग्राम चीतापाली निवासी श्री सुरित लाल कंवर को 1,45,000 रुपये लागत की पावर रिपर प्रदान की, जिसमें कृषक अंशदान 96,000 रुपये और अनुदान 50,000 रुपये शामिल है। इसी प्रकार पतरापाली के श्री दुखीराम, केराकछार के श्री इंद्रभान सिंह को विद्युत पंप और श्री राम साय तथा श्री संजीव को द्वि-फसली क्षेत्र विस्तार हेतु गेहूं पैकेट प्रदान किए गए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय आजीविका मिशन अंतर्गत स्वयं सहायता महिला समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न उपयोगी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्टॉल में धनेश्वर कश्यप, शकुंतला मरावी, सुखकुंवर यादव, साधीन बाई, कुमारी यादव, फेटो बाई यादव और निखिल दास महंत सहित कुल सात अस्थिबाधित दिव्यांगों को मोटरयुक्त त्रिचक्र साइकिल प्रदान की गई।

पुलिस विभाग के द्वारा सजग कोरबा सतर्क कोरबा अभियान का संदेश देते हुए आयुध एवं आग्नेय शस्त्रों की प्रदर्शनी आयोजित कर लोगों को जानकारी दी गई। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने जिले में पाए जाने वाले सर्प किंग कोबरा की प्रदर्शनी आयोजित कर लोगों को जागरूक किया, इसके साथ ही हर्बल उत्पाद और वन औषधियों का प्रदर्शन भी किया गया। आदिवासी विकास विभाग ने आदिवासी संस्कृति संरक्षण की झांकी प्रस्तुत की, साथ ही दूरस्थ क्षेत्र के हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र प्रदान किया गया। स्टॉल में मंत्री श्री देवांगन को खुमरी भेंटकर को सम्मानित किया। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न शैक्षिक मॉडलों का प्रदर्शन कर शिक्षा का संदेश दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि, सक्षम आंगनबाड़ी, सुपोषण वाटिका और रेडी टू ईट योजनाओं का प्रदर्शन कर स्वास्थ्य, सुपोषण और शिक्षा का संदेश दिया गया, साथ ही नन्हें शिशुओं को अन्नप्राशन कराया गया। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के द्वारा प्रधानमंत्री सौर गृह योजना सहित विभिन्न हितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा फील्ड परीक्षण किट से जल गुणवत्ता परीक्षण मॉडल प्रदर्शित किया गया।

निगम आयुक्त ने की बड़ी कार्रवाई, 3 अधिकारियों को निलंबित किया

कोरबा संवाददाता।

नगर पालिक निगम कोरबा के आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने काउ केचर में जनप्रतिनिधियों के कटआउट का परिवहन कर जनप्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने व कार्य के प्रति घोर लापरवाही के आरोप में निगम के 02 उप अभियंताओं अश्वनी दास व अभय मिंज तथा स्वच्छता निरीक्षक सचीन्द्र थवाईत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर घंटाघर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर स्थित मैदान में 02 से 04 नवंबर तक आयोजित हुए राज्योत्सव हेतु कार्यक्रम स्थल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के कटआउट लगाए जाने थे। निगम के केन्द्रीय भण्डारगृह से इन कटआउटों को आयोजन स्थल तक पहुंचाने हेतु काऊकेचर वाहन का उपयोग संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया। मामला प्रकाश में आने पर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लिया।

कार्यशाला में छात्रों ने सीखी भरतनाट्यम की बारीकियां

कोरबा संवाददाता।

जिले में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4 में भरतनाट्यम कार्यशाला का शुभारंभ भरतनाट्यम गुरु आसिफ हुसैन, प्राचार्य बी.एस. अहीरे, वरिष्ठ शिक्षक जी.आर. जांगड़े ने दीप प्रज्वलन से किया। कार्यशाला में छात्रों को भरतनाट्यम नृत्य की बारीकियां सिखाई गयी।

उक्त कार्यक्रम में प्रसिद्ध नर्तक आसिफ हुसैन ने छात्रों को भरतनाट्यम नृत्य की मुद्राएं, ताल और भावों की सुंदर अभिव्यक्ति से बारीकियां सिखाई। उन्होंने कुमार संभव और श्री रामचंद्र कृपालु भजमन के धुन में अपनी प्रस्तुति दी। उनके घुंघरुओं की मधुर झंकार और संगीत की लहरियों ने कार्यशाला में समा बांधा। नृत्य की बारीकियां सीखने छात्रों में उत्साह रहा।

इस अवसर पर प्राचार्य बी.एस. अहीरे ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य केवल कला नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की आत्मा है। ऐसी कार्यशाला छात्रों में अनुशासन, लय और आत्मविश्वास का भाव जगाती है। प्राचार्य ने कार्यशाला की ऊर्जा, लय, ताल और भावभंगिमा की सराहना करी। कार्यक्रम का संचालन एस्तर कुमार ने किया।

एचटीपीएस से सेवानिवृत्त हुए मुख्य अभियंता प्रवीण श्रीवास्तव एवं चार कर्मचारियों को दी गई भावपूर्ण विदाई

कोरबा

हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से अक्टूबर माह में मुख्य अभियंता प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी शिवकुमार जायसवाल, वरिष्ठ पर्यवेक्षक नीलकंठ साहू, राम विलास साहू और कनिष्ठ पर्यवेक्षक प्रमोद कुमार कैवर्त्य सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य अभियंता एवं कर्मचारियों को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) एचके. सिंह ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया।

मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) एचके सिंह के हाथों सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता प्रवीण श्रीवास्तव एवं कर्मचारियों को शाल, स्मृतिचिन्ह व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके. गुप्ता, पीके. स्वैन, आरके. पांडे, केएनबी. राव, सुधीर पंड्या, एससी. पाठक और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ एके. कुरनाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। रविंद्र सांस्कृतिक भवन (सीनियर क्लब) में आयोजित दीर्घ सेवा सम्मान समारोह में मुख्य अभियंता श्री सिंह एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्वस्थ व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता प्रवीण श्रीवास्तव एवं कर्मचारियों द्वारा अपने 37 से 40 वर्ष के दीर्घ कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया गया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र साहू एवं आभार प्रदर्शन जीडी बर्वे द्वारा किया गया। दीर्घ सेवा सम्मान समारोह में डीएसपीएम के मुख्य अभियंता संजीव कंसल, मुख्यालय रायपुर से मुख्य अभियंता सुभाष शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आयुष्मान ठाकर, आशुतोष देवांगन, अधीक्षण अभियंता प्रशांत बापट समेत बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी और सेवानिवृत्तों के परिजन उपस्थित रहे।

युवक की बेरहमी से पिटाई, बीच सड़क पर बाइक को लगाई आग, शराब के लिए पैसे न देने पर मचाया उत्पात

कोरबा संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां शराब के लिए पैसे न देने पर एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। यही नहीं, आरोपियों ने उसकी बाइक को भी बीच सड़क पर आग के हवाले कर दिया। यह पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अटल चैक गोढ़ी का है।

शराब के पैसे न देने पर हमला

मंगलवार रात करीब 9.30 बजे बेनदरकोना निवासी निखिल कुमार बंजारे (22) अपने दोस्त की बाइक (सीजी 12 बीजी 3218) पर अटल चैक स्थित राजकुमार महिलोंगे की दुकान के पास बैठा था। तभी वहां आदिल प्रकाश मार्तंड अपने साथियों के साथ पहुंचा और निखिल से शराब के लिए पैसे मांगे। निखिल के इनकार करने पर आदिल और उसके साथियों ने गाली-गलौज करते हुए उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस दौरान आदिल ने सड़क पर पड़े पत्थर से निखिल के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

बाइक को किया आग के हवाले

हमले के बाद आरोपियों ने निखिल की बाइक में आग लगा दी, जिससे बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घायल निखिल किसी तरह अपनी जान बचाकर बाजार चैक पहुंचा, जहां वह बेहोश हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोरबा पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पीड़ित के परिजनों ने सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जानकारी देते हुए सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट, आगजनी और जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज कर लिया है। सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

कोरबा : तनाव मुक्त जीवन जीने की कला सीखना का अवसर, 9को समर्थगुरु धारा मैत्री संघ कोरबा आयोजित करने जा रही एक दिवसीय ध्यान, योग एवं सत्संग ....

कोरबा। संवाददाता

नगर वासियों के लिए तनाव मुक्त और आनंदित जीवन जीने की कला सीखने का सुनहरा अवसर, एक बार फिर समर्थगुरु धारा मैत्री संघ कोरबा उपलब्ध कराने जा रहा है। मिशन रोड कोरबा स्थित कल्चुरी जायसवाल भवन में 9 नवंबर को प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक एक दिवसीय ध्यान, योग एवं सत्संग का आयोजन किया जा रहा है।

समर्थगुरु धारा मैत्री संघ कोरबा के जिला संयोजक प्रशांत विश्वकर्मा, द्वारा बताया गया कि इस शिविर में लोग तनाव मुक्त जीवन जीने की कला और आत्मिक शांति तथा आनंदित जीवन जीने के बारे में जान सकेंगे। समर्थगुरु देव ने कहा है कि परमात्मा को मंगलमय जानते हुए स्वधर्म का पालन करें। अर्थात परमात्मा मंगलमय है और जो भी जीवन में प्रतिकूल घटता है उसके प्रति स्वीकार भाव में जीना ही जीवन को आनंदित बनाता है।

शिविर में स्वल्पाहार और दोपहर का भोजन की व्यवस्था भी साधकों के लिए किया गया है। आज के भागदौड़ भरी जीवन शैली, सोशल मीडिया के एडिक्शन आदि के कारण मन हमेशा तनाव और नकारात्मक से भर गया है, और यही बाद में जीवन में हिंसा और डिप्रेशन का रूप ले लेता है। क्योंकि हम सिर्फ अपने शरीर का ही ख्याल रखते हैं और मन को प्रसन्न रखने के लिए जो भी करते हैं वो बाद में दुख और अवसाद का कारण बनता है। क्योंकि मन और आत्मा का भोजन ध्यान है। मन केवल ध्यान के माध्यम से ही आनंदित हो सकता है।

कोरबा शहरवासियों से मैं अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में भाग लेने हेतु आमंत्रित करता हूं। कोरबा में ध्यान केंद्र का संचालन किया जा रहा है जिसमें प्रत्यक रविवार को ध्यान, योग और सत्संग किया जाता है। जिसमें सभी शामिल हो सकते हैं। शिविर में परम गुरु ओशो एवं समर्थगुरु देव के मार्गदर्शन में पेंड्रा से आचार्य संतोष चंद्रा जी एवं बिलासपुर से आचार्य मां वंदना सिंह साधकों को ध्यान, योग एवं सत्संग सीखाया जाएगा, जिससे व्यक्ति अपने भीतर गहराईयों में जाकर अपने मन में शांति एवं आनंद का अनुभव कर सकता है। पूर्व में होटल टॉप इन टाउन में एक दिवसीय ध्यान सत्संग का सफल आयोजन हुआ था जिसमें कोरबा के 116 साधक शामिल हुए थे। शिविर में भाग लेने वाले सहभागी अग्रिम बुकिंग करा सकते है। शिविर में शामिल होने के लिए संपर्क सूत्र - स्वामी प्रशांत जी - 9617634341।

संभाग स्तरीय सरस मेला में दिखेगी महिला सशक्तिकरण की झलक

रायपुर। जिला प्रशासन जशपुर एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के संयुक्त तत्वावधान में संभाग स्तरीय सरस मेला-2025 का आयोजन 6 से 9 नवंबर तक जशपुर जिले के मयाली में होगा। यह मेला आत्मनिर्भर ग्रामीण महिलाओं के हुनर, कौशल एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मेला में जशपुर सहित सरगुजा संभाग के समस्त जिलों सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया एवं मनेन्द्रगढ़ -चिरमिरी -भरतपुर से 03 से 05 एसएचजी के सदस्य शामिल होंगे। यहां स्टॉलों के माध्यम से समूहों के उत्पाद, हस्तशिल्प, वनोपज आधारित वस्तुएँ तथा पारंपरिक कलाकृतियों का प्रदर्शन सह-विक्रय किया जाएगा। लोकसंस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने किया प्रतापपुर विकासखंड का दौरा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सूरजपुर संवाददाता।

जिला कलेक्टर एस. जयवर्धन ने आज प्रतापपुर विकासखंड का दौरा कर विभिन्न विभागीय कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एकीकृत जलसंग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने किसानों के धान फसल उत्पादन का निरीक्षण किया और आगामी रबी फसल विस्तार कार्य योजना पर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। दौरे के दौरान कलेक्टर ने ग्राम पंचायत झिंगादोहर पहुंचकर जलग्रहण समिति की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा किए जा रहे बकरी पालन कार्य की जानकारी ली और उन्हें आय वृद्धि हेतु बकरी पालन को और विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही क्षेत्र में उपलब्ध सिंचाई साधनों का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा कलेक्टर ने ग्राम सकलपुर में कृषि विभाग के विभिन्न कार्यों की समीक्षा की, जिसमें रामतिल की खेती और सोलर योजना के क्रियान्वयन की प्रगति शामिल रही। मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने प्रतापपुर अंतर्गत खोरमा में निर्माणाधीन मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आरईएस, जल संसाधन एवं पीडब्ल्यूडी विभाग की संयुक्त टीम गठित कर स्थल निरीक्षण कर कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जाए।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर, सुंदरनगर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी सहित हजारों रुपए के जेवर पार कर दिया। मामले में डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी व्यास नारायण शुक्ला 87 वर्ष सीता निवास सुंदरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी रकम सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 70 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मटिया नाला में स्टापडेम निर्माण के लिए 3.36 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग द्वारा बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखण्ड-कसडोल की मटिया नाला में स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 36 लाख 60 हजार रूपए स्वीकृत कए गए है। योजना से निस्तारी, भूजल संवर्धन, पेयजल, आवागमन एवं कृषकों द्वारा स्वयं के साधन से 50 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजना के कार्य पूर्ण कराने मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

केशकाल में उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन

कोण्डागांव, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा खाद्य प्रसंस्करण ईकाई की स्थापना हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कार्यालय जनपद पंचायत केशकाल के सभा कक्ष में उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष केशकाल बिहारी लाल शोरी की अध्यक्षता में शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में नगर की महिला स्व सहायता समूहों को खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित मार्गदर्शन दिया गया। जिसमें समूह के महिलाओं ने बड़ी, मिनी राईस मिल, अचार, पापड़, मक्का पोहा के निर्माण हेतु उत्सुकता दिखाई। उक्त कार्यशाला कुसुमलता नेताम प्रभारी महाप्रबंधक, नम्रता एल्मा सहायक प्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोण्डागांव, हर्ष लाहोटी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य समापन

बीजापुर, । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव के रूप में मनाया गया तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य समापन 4 नवम्बर को बीजापुर के मिनी स्टेडियम में हर्षोल्लास के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ 2 नवम्बर को बस्तर सांसद महेश कश्यप द्वारा किया गया था। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत की गई। राज्योत्सव के दौरान आयोजित रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता तथा विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी ने नागरिकों को राज्य की प्रगति एवं सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराया। समापन दिवस पर आयोजित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं आर्केस्ट्रा कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय कलाकारों, विद्यार्थियों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण से भर गया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने राज्य स्थापना दिवस की सभी को शुभकामनाएँ दीं तथा राज्य की उन्नति में सभी नागरिकों की सहभागिता का आह्वान किया।

रोमांच, प्रकृति और आनंद से सराबोर रहा 'जशपुर जम्बूरी 2025' का दूसरा दिन

मयाली नेचर कैंप में वाटर स्पोर्ट्स, एटीवी राइडिंग और बर्ड वॉचिंग ने बढ़ाया उत्सव का आकर्षण

लोकशक्ति

जशपुरनगर (संवाददाता)। 'जशपुर जम्बूरी 2025' के दूसरे दिन मयाली नेचर कैंप में रोमांच, उत्साह और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। मयाली डैम के जलाशय में आज दिनभर वाटर स्पोर्ट्स का रोमांच छाया रहा, जहां प्रतिभागियों ने वाटर साइकलिंग, कयाकिंग और बोटिंग का भरपूर आनंद लिया। जशपुर की शांत वादियों में पानी के साथ यह साहसिक अनुभव हर प्रतिभागी के लिए यादगार रहा। जंबूरी में जशपुर और अन्य जिलों से आए प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। जशपुर की हसीन वादियों में हो रहे जंबूरी में जिला प्रशासन द्वारा संचालित क्रीड़ा परिसर, नवसंकल्प एवं नवगुरुकुल के तहत चयनित मेधावी बच्चों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया।

खेल और एडवेंचर गतिविधियों ने झलका उत्साह : जंबूरी के दूसरे दिन बॉक्स क्रिकेट, एटीवी राइडिंग और नेट बॉल जैसी गतिविधियों ने प्रतिभागियों को उत्साह से भर दिया। एटीवी बाइक राइडिंग के दौरान युवाओं ने जंगलों के बीच मिट्टी के रास्तों पर गति और संतुलन का रोमांच महसूस किया। नेट बॉल और क्रिकेट मुकाबलों में भी प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया।

सुबह की शुरुआत बर्ड वॉचिंग से, दिनभर रहा उत्सव का रंग : रायपुर से आई प्रतिभागी नीलिमा यादव ने बताया कि वे जंबूरी के दौरान होमस्टे में ठहरीं और सुबह 4 बजे से बर्ड वॉचिंग में शामिल हुईं, जिसमें 18 प्रजातियों के पक्षियों का अवलोकन किया गया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में चार तरह की साहसिक गतिविधियों में भाग लेने का अनुभव बेहद रोमांचक रहा और जिला प्रशासन की व्यवस्था उत्कृष्ट है।

प्रतिभागियों ने साझा किए अपने अनुभव : कबीरधाम जिला से आए राकेश जायसवाल और संजय यादव ने कहा कि वाटर एक्टिविटीज़ का अनुभव शानदार रहा। उन्होंने वाटर साइकलिंग, एटीवी बाइक राइडिंग और कल्चरल एक्टिविटीज़ का भरपूर आनंद लिया। उन्होंने कहा कि कैंपिंग का अनुभव यादगार रहा और जिला प्रशासन की व्यवस्था अनुकरणीय है। इसी प्रकार बस्तर क्षेत्र के कोंडागांव जिला से आई रागिनी जायसवाल ने कहा कि ÷अब तक हमने बस्तर की खूबसूरती देखी थी, अब जशपुर की वादियों का अनुभव मिला है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है, सभी को यहाँ आना चाहिए।÷ 'जशपुर जम्बूरी 2025' का यह दूसरा दिन रोमांच, साहस और प्राकृतिक सौंदर्य के संगम के रूप में प्रतिभागियों के दिलों में हमेशा के लिए बस गया। आने वाले दिनों में भी यह आयोजन जशपुर को छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर नई ऊँचाई देगा।

बयानार में राजमिस्त्री प्रशिक्षण का 30 दिवसीय कार्यक्रम

कोण्डागांव,

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई के मार्गदर्शन में ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) जगदलपुर द्वारा आयोजित 30 दिवसीय ऑफ कैम्पस राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन ग्राम पंचायत बयानार, विकासखण्ड कोंडागांव में हुआ। इस प्रशिक्षण में ग्राम बयानार एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निर्माण कार्यों की तकनीकी जानकारी जैसे ईंट जोड़ाई, माप-जोख, सीमेंट-रेत अनुपात, प्लास्टरिंग, दीवार निर्माण, वाटर लेवल सेटिंग, सुरक्षा उपाय एवं निर्माण गुणवत्ता नियंत्रण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जैसे शासन के महत्वपूर्ण योजना त्वरित निर्माण कराया जाना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए तथा RSETI जगदलपुर द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षु को राजमिस्त्री कार्य हेतु आवश्यक टूलकिट भी वितरित की गई, जिससे वे अपने कार्य को स्वयं प्रारंभ कर सकें और आत्मनिर्भर बनें।

अमरेश मिश्रा, शुक्ला, गर्ग और दीपक झा फर्स्ट पुलिस कमिश्नर बनने की दौड़ में

एसपी कलेक्टर कांफ्रेंस के पश्चात जारी होगी आईपीएस की सूची

० ओडिशा की तर्ज पर पुलिस कमिश्नर प्रणाली को बनाये जाने की अनुशंसा

रायपुर, छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर सिस्टम को लेकर आशंकाओं का दौर शुरू हो गया है। सरकार द्वारा इसे अगले महीने से लागू किये जाने की औपचारिकता की जा रही है। लेकिन अब इस सिस्टम को खड़ा करने के लिए राज्य सरकार का पसीना छूट रहा है। वहीं फस्ट पुलिस कमिश्नर बनने के लिए सीटिंग आईजी अमरेश मिश्र संजीव शुक्ला, रामगोपाल गर्ग और दीपक झा के लिए कवायद शुरू हो गई है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के ओडिशा राज्य में यह सिस्टम लागू किया गया है। इसके लिए ओडिशा सरकार को विधानसभा में संशोधन लाना पड़ा था लेकिन छग में भी अब इस सिस्टम को लागू करने के लिए एडीजीपी प्रदीप गुप्ता की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है जिसमें पुलिस कमिश्नर बनाने की प्रणाली को लागू करने की सिफारिश की है। इस पद पर आईजी स्तर के अधिकारी को ही बैठाना पड़ेगा। जिसमें सबसे सीनियर पी सुंदरराज है। नक्सलियों को सफाये के लिए उन्हें याद किया जाता है वर्तमान में वे केंद्रीय गृहमंत्री एवं राज्य शासन के लोकप्रिय अधिकारी है।

छग में कमिश्नर प्रणाली लागू होने की संभावना को देखते हुए अब आईजी स्तर के अमरेश मिश्रा बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला दुर्ग आई रामगोपाल गर्ग, सरगुजा आई दीपक झा का नाम चर्चा में है। ये तीनों अधिकारी साफ सुथरी छबि वाले है। दीपक झा सात जिलों के एसपी रहे है। वर्तमान में राज्य शासन को ही इन चारों में से किसी एक को नियुक्त करना पड़ेगा।

आईपीएस की लिस्ट होगी शीघ्र जारी

छग में पुलिस कमिश्नर प्रणाली को लागू करने की कवायद चालू होती ही अब नये आईजी की भी पद स्थापना करने की कवायद शुरू हो गई है। वर्तमान में महासमुंद के एसपी प्रतिनियुक्ति पर जा रहे है। वहीं अब वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी पदोन्नत किया जाएगा। वर्तमान में आईजी बनने वाले की दौड़ में कई अधिकारी सक्रिय हो गये है। इनमें अजय यादव तथा अन्य अधिकारी है बताया जाता है कि आगामी पुलिस एसपी कांफ्रेंस के पश्चात यहां पर लिस्ट जारी हो जाएगी। जिसमें कई एसपी भी बदले जाएंगे। राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को मजबूत करने के लिए समय आईपीएस अधिकारियों की नई पदस्थापना की जाएगी।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 2025 : जिले में धान खरीदी की निगरानी हेतु इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर गठित

जगदलपुर, संवाददाता

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हरिस एस द्वारा जिला स्तरीय इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर एवं नियंत्रण कक्ष का विधिवत गठन करते हुए अधिकारी-कर्मचारियों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय नया रायपुर से प्राप्त निर्देशों और जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल की अनुशंसा के आधार पर यह पहल किया गया है। इस सेल का प्राथमिक उद्देश्य धान खरीदी के दौरान संभावित अनियमितताओं पर नियंत्रण रखना और धान के अवैध पुनर्चक्रण को रोकना है, ताकि वास्तविक किसानों को ही उनकी उपज का सही मूल्य मिल सके।

उक्त जिला स्तरीय कंट्रोल सेल जिला विपणन अधिकारी कार्यालय जगदलपुर में स्थापित की गई है, जहाँ नियुक्त अधिकारी और कर्मचारी प्रभावी ढंग से निगरानी सुनिश्चित करेंगे। सेल में तैनात अधिकारियों में डिप्टी कलेक्टर श्री सत्येन्द्र कुमार बंजारे मोबाइल नंबर +91-78884-78891 को प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। उनके साथ सहायक प्रोग्रामर श्रीमती मेहरुन निशा मोबाइल नंबर 94079-43643 और श्री अघम भास मोबाइल नंबर +91-89628-49662 तकनीकी सहायक और डेटा प्रबंधन का कार्य देखेंगे। साथ ही डाटा एंट्री ऑपरेटर श्री अभिषेक पाण्डेय मोबाइल नंबर +91-96699-66770 और श्री अभिषेक राव मोबाइल नंबर +91-79993-64923) डेटा प्रविष्टि एवं संचालन में सहायता करेंगे।

छिंदगढ़ में जोन स्तरीय खेलों में दिखा जोश और उत्साह

सुकमा में बस्तर ओलंपिक की धूम

सुकमा

बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत सुकमा जिले में आयोजित जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में खेल प्रेम और ऊर्जा का शानदार संगम देखने को मिला। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन एवं जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में छिंदगढ़ विकासखंड में गुरुवार को हुए मुकाबलों में ग्रामीण अंचलों से आए सैकड़ों खिलाड़ियों ने उत्साह और जज्बे के साथ हिस्सा लिया। मैदानों में खिलाड़ियों का जोश और दर्शकों की उमंग ने पूरे माहौल को खेलमय बना दिया।खेल प्रतियोगिताओं की सफलता में जिला प्रशासन की उत्कृष्ट तैयारियों ने अहम भूमिका निभाई। मैदान में स्वास्थ्य विभाग की टीम व एंबुलेंस की व्यवस्था, साथ ही खिलाड़ियों के लिए नाश्ता, भोजन और पानी टैंकर जैसी सुविधाओं ने आयोजन को और सुव्यवस्थित बनाया।परंपरागत और आधुनिक खेलों में दिखा खिलाड़ियों का दमजूनियर और सीनियर वर्ग में जोनवार आयोजित इन प्रतियोगिताओं में खो-खो, वॉलीबॉल, कबड्डी, रस्साकस्सी, लंबी कूद, ऊँची कूद, तवा फेंक, गोला फेंक, भाला फेंक, 100, 200 और 400 मीटर दौड़ व रिले रेस जैसे खेलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।स्थानीय खेलों को मिली नई ऊर्जायह आयोजन केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं रहा, बल्कि बस्तर की पारंपरिक खेल संस्कृति को नई दिशा देने का अवसर भी बना। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों की भारी उपस्थिति ने आयोजन को उत्सव में बदल दिया। दर्शकों की गूंजती तालियाँ और जयकारे खिलाड़ियों के उत्साह को दोगुना करते नजर आए।सचमुच, सुकमा में बस्तर ओलंपिक ने साबित कर दिया कि खेल न केवल प्रतिभा का परिचायक हैं, बल्कि समाज को एकता, उत्साह और ऊर्जा से जोड़ने वाली जीवंत कड़ी भी हैं। कार्यक्रम में एसडीएम छिंदगढ़ विजय प्रताप खेस, जनपद सीईओ पीके गुप्ता, बीईओ पुष्कर वर्मा उपस्थित थे।

चिखलपुट्टी में आयोजित सुपोषण चौपाल में शामिल हुईं कलेक्टर

बच्चों और महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ व्यवहार अपनाने पर दिया जोर

कोण्डागांव, कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना गुरुवार को ग्राम चिखलपुट्टी के आंगनबाड़ी केन्द्र प्लाटपारा में आयोजित सुपोषण चौपाल एवं पालक बैठक में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी स्थिति की जानकारी ली तथा उपस्थित माताओं से संवाद किया। कलेक्टर ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक परिवार को स्वस्थ व्यवहार अपनाना आवश्यक है। उन्होंने माताओं से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्तनपान कराएं और स्वयं भी पौष्टिक एवं संतुलित आहार लें। उन्होंने बताया कि हर दो घंटे के अंतराल पर शिशुओं को स्तनपान कराना उनके शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने बच्चों का वजन नियमित रूप से कराने और निर्धारित ग्रोथ चार्ट के अनुसार भोजन कराने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने बच्चों को रेडी टू ईट आहार नियमित रूप से देने को कहा। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत विविध गतिविधियों का कलेक्टर ने अवलोकन किया और उनकी सराहना की। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता धनराजी शुक्ला ने परवरिश के चैंपियन कार्यक्रम के तहत 'नाप-तौल' थीम पर माताओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक जानकारी दी। साथ ही समुचित देखभाल और पोषण आहार के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अवनि कुमार बिस्वाल, परियोजना अधिकारी संजय पोटावी पर्यवेक्षक इंद्रावती ध्रुव जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेन्द्र सोनी, जिला समन्वयक परवरिश के चैंपियन योगेन्द्र जैन विभागीय अधिकारी-कर्मचारी ग्राम सरपंच राजेश्वरी सोडी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राइवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल । www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)